राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 49 | जौनपुर बुधवार, 01 अक्टूबर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

हत्या के आरोपियों की जमानत पर सुप्रीम रोक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निजी आजादी की सुरक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन अदालतों को पीड़ितों की पीड़ा को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इस टिप्पणी के साथ जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता ने पटना हाईकोर्ट के मार्च 2024 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें हत्या के एक मामले में दो आरोपियों को अग्रिम जमानत दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की ओर से इस मामले को जिस जल्दबाजी में निपटाया गया, उस पर गंभीर चिंता व्यक्त की। पीठ ने कहा कि यद्यपि दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023) की व्यवस्था हाईकोर्ट और सत्र न्यायालय को अग्रिम जमानत के आवेदनों पर विचार करने के लिए समवर्ती क्षेत्राधिकार प्रदान करती है। शीर्ष अदालत ने बार–बार कहा है कि हाईकोर्ट को स्वयं सीधे हस्तक्षेप करने से पहले हमेशा एक वैकल्पिकध्समवर्ती उपाय अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह दृष्टिकोण सभी हितध ाारकों के हितों को संतुलित करता है, जिसमें सबसे पहले पीड़ित पक्ष को हाईकोर्ट के समक्ष चुनौती देने का मौका दिया जाता है। साथ ही यह दृष्टिकोण हाईकोर्ट को सत्र न्यायालय की ओर से समवर्ती क्षेत्राधिकार में लागू न्यायिक परिप्रेक्ष्य का आकलन करने का मौका भी मिलता है।

नाबालिग से शादी का मतलब पॉक्सो मामले में राहत नहीं

मुंबई, (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति के खिलाफ दर्ज दुष्कर्म के मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि कि केवल इसलिए कि आरोपी ने नाबालिग लड़की से शादी कर ली और अब दोनों का एक बच्चा भी है, उसे यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज मामले में बरी नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने 26 सितंबर को यह आदेश दिया, जिसमें जस्टिस उर्मिला जोशी फाल्के और जस्टिस नंदेश देशपांडे शामिल थे। आरोपी ने दावा किया था कि वह 17 साल की लड़की के साथ आपसी सहमति से संबंध ा में था और उसकी शादी तब पंजीकृत की गई, जब लड़की 18 साल की हो गई। लेकिन कोर्ट ने कहा कि पॉक्सो कानून के तहत नाबालिग के साथ तथाकथित सहमति का कोई महत्व नहीं है। कोर्ट ने उस याचिका को खारिज किया, जिसमें आरोपी और उसके परिजनों ने उनके खिलाफ अकोला पुलिस की ओर से दर्ज की गई ।

अवकाश सूचना

सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि विजयादशमी पर कार्यालय व प्रेस में अवकाश रहेगा।

अतः अगला अंक समय से प्रकाशित होगा।

– सम्पादक

पीएम मोदी जारी करेंगे स्मारक डाक टिकट और सिक्का

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 अक्टूबर 2025 को सुबह 10:30 बजे डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। इस अवसर पर, प्रधानमंत्री राष्ट्र के लिए आरएसएस के योगदान को दर्शाने वाला एक विशेष रूप से डिजाइन किया गया स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी करेंगे और उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे। इससे पहले रविवार को मन की बात कार्यक्रम में राष्ट्र को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अभूतपूर्व और प्रेरकष यात्रा की सराहना की, क्योंकि विजयादशमी के अवसर पर यह संगठन अपने 100 वर्ष पूरे करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यह विजयादशमी एक और कारण से भी बेहद खास है। यह दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है। एक सदी की यह यात्रा अद्भुत, अभूतपूर्व और प्रेरक है। प्रधानमंत्री मोदी, जो पहले आरएसएस का हिस्सा रहे थे, ने कहा कि आजादी से पहले भारत में पहचान के संकट के बीच संघ का गठन हुआ था। उन्होंने कहा कि 100 साल पहले, जब आरएसएस की स्थापना हुई थी, तब देश सदियों से गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। सदियों से चली आ रही इस गुलामी ने हमारे स्वाभिमान और आत्मविश्वास को गहरी चोट पहुँचाई थी। दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यता पहचान के संकट से जूझ रही थी। हमारे नागरिक हीन भावना के शिकार हो रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि परम पूज्य हेडगेवार जी ने 1925 में विजयादशमी के पावन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। हेडगेवार के निधन के बाद, गुरुजी ने राष्ट्र सेवा के इस महान मिशन को आगे बढ़ाया। आरएसएस की शिक्षाओं की सराहना करते हुए,

4,000 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को दिल्ली के ओखला में एशिया के सबसे बड़े सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का उद्घाटन करेंगे। यह यमुना नदी के पुनरुद्धार के प्रयासों में एक मील का पत्थर साबित होगा। केसी त्यागी अमित शाह विकासपुरी के केशवपुर में होने वाले समारोह में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के तहत कुल 4,000 करोड़ रुपए की लागत वाली 46 अन्य सीवेज और स्वच्छता संबंधी परियोजनाओं की भी शुरुआत करेंगे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता करेंगी। स्थानीय निवासियों, नेताओं और अधि ाकारियों सहित 6,000 से अधिक लोगों को इस अवसर पर आमंत्रित किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, ओखला एसटीपी एशिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा संयंत्र है, जिसकी उपचार क्षमता 124 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) है। 1,161 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह संयंत्र 40 एकड़ में फैला है। यह उसी स्थान पर पहले से बनी चार पुरानी सीवेज उपचार इकाइयों का स्थान लेगा।

जानें इसके पीछे की वजह यह नई सुविधा न केवल सीवेज उपचार के लिए, बल्कि अपशिष्ट से बिजली उत्पादन और ए–श्रेणी का कीचड़ उत्पन्न करने के लिए भी डिजाइन की गई है, जो कृषि और भूनिर्माण में पुनः उपयोग के लिए सुरक्षित है। केंद्र सरकार के सहयोग से इस परियोजना का नेतृत्व करने वाले दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने कहा कि दक्षिण, मध्य और पुरानी दिल्ली के लगभग 40 लाख निवासियों को इस संयंत्र से सीधे लाभ होगा।

मां सिद्धिदात्री की आराधना कर कन्या पूजन करेंगे सीएम योगी

गोरखपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने सोमवार देर शाम शारदीय नवरात्र की महाअष्टमी तिथि के मान में गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार विधि विधान से महानिशा पूजन व हवन किया। महानिशा पूजन अनुष्ठान से पूर्व उन्होंने वैदिक मंत्रों के बीच जगतजननी मां आदिशक्ति आराधना की। शारदीय नवरात्र के पावन पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में महानिशा पूजा का विशिष्ट अनुष्ठान पूर्ण कर लोकमंगल की प्रार्थना की। सोमवार दोपहर बाद लखनऊ से गोरखपुर आए मुख्यमंत्री ने कुसम्ही जंगल में बुढ़िया माई मंदिर में दर्शन–पूजन किया। इसके बाद वह गोरखनाथ मंदिर पहुंचे। मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने के बाद अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत

अवेद्यनाथ की समाधिस्थल पर जाकर शीश नवाया। देर शाम वह महानिशा पूजा में सम्मिलित हुए। गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में महानिशा पूजा का अनुष्ठान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ। दो घंटे से अधिक समय तक चले अनुष्ठान में गोरक्षपीठाधीश्वर ने गौरी गणेश पूजन, वरुण पूजन, पीठ पूजन, यंत्र पूजन, मां दुर्गा का विधिवत् पूजन, भगवान राम–लक्ष्मण–सीता का षोडशोपचार पूजन, भगवान कृष्ण एवं गोमाता का पूजन, नवग्रह पूजन, विल्व पूजन, अष्टात्री देवता पूजन, शस्त्र पूजन, द्वादश ज्योतिर्लिंग–अर्धनारीश्वर एवं शिव–शक्ति पूजन, वटुक भैरव, काल भैरव, त्रिशूल पर्वत पूजन किया। साथ ही हवन की वेदी पर ब्रह्मा, विष्णु, रुद्र और अग्नि देवता का आह्वान कर पूजन किया।महानिशा पूजा का अनुष्ठान गोरक्षपीठाधीश्वर द्वारा हवन करके पूर्ण किया गया।

विपक्ष घबराया है, सिर्फ वोट बैंक की राजनीति पर फोकस कर रहा : चिराग पासवान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मंगलवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव पर नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार पर की गई उनकी नकलची टिप्पणी को लेकर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष घबराया हुआ है और आगामी चुनावों से पहले राजनीतिक खेल खेल रहा है। तेजस्वी यादव ने पहले राज्य सरकार की आलोचना की थी, उसे नकलची प्रशासन करार दिया था और बिहार के लिए ठोस दृष्टिकोण के अभाव का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया कि राजद के पास विकास का एक स्पष्ट दृष्टिकोण है, जबकि वर्तमान सरकार दृष्टिहीन है। टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, पासवान ने कहा कि इस तरह के बयान विपक्ष

की विभाजनकारी राजनीति और उनकी चुनावी हताशा को दर्शाते हैं। केंद्रीय मंत्री ने पटना में संवाददाताओं से कहा कि यह विपक्षी नेता की विचारधारा है। मैंने किसी भी बिहारी को किसी श्रेणी में नहीं रखा है, वे सभी मेरे लिए बिहार के लोग हैं... मैं बिहार पहले और बिहारी पहले की बात करता हूँ... विपक्ष इस (श्रेणी) को अपना वोट बैंक बनाने की कोशिश करता है। पासवान ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की एनडीए सरकार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाएँ लागू की हैं, जिनका विपक्ष ने पहले सिर्फ वादा किया था। उन्होंने कहा कि विपक्ष घबराया हुआ है। मेरे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उन योजनाओं की घोषणा की है और उन्हें जमीनी स्तर पर लागू किया है जिनका विपक्ष ने सिर्फ वादा किया था... हमारी सरकार महिलाओं के खातों में 10,000 रुपये भेज रही है और यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि वे आत्मनिर्भर बनें... ये कदम गरीबों, महिलाओं और परिवारों को सशक्त बनाते हैं... विपक्ष ने कभी सोचा भी नहीं था कि ऐसी योजनाएँ शुरू की जा सकती हैं। विशेष सारांश संशोधन (एसएसआर) रिपोर्ट पर, पासवान ने कहा कि रिपोर्ट जल्द ही जारी होने की उम्मीद है और भारत का चुनाव आयोग (ईसीआई) इसके लिए पूरी तरह से जवाबदेह होगा।

आज की चुनौतियों से निपटने के लिए साझा प्रणाली जरूरी : रक्षा मंत्री

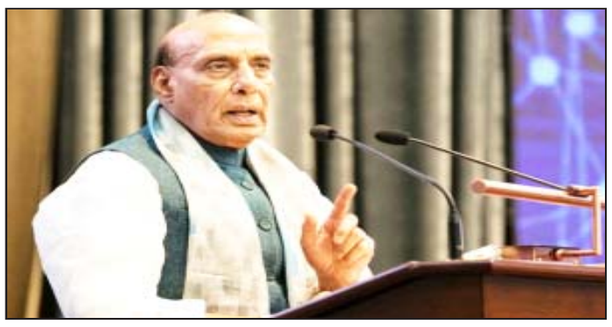

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि आज के समय में साइबर हमलों, सूचना युद्ध और बदलती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय सेना के बीच बेहतर तालमेल और एक समान प्रणाली की जरूरत है। वह दिल्ली में आयोजित त्रि–सेवा संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय इस दिशा में हरसंभव सहयोग करेगा। राजनाथ सिंह ने कहा, हमारी सेनाओं ने वर्षों के अनुभव से अपनी ऑडिट प्रणाली विकसित की हैं। लेकिन आज के एकीकृत अभियानों के दौर में जरूरी है कि ये प्रणाली एक–दूसरे जुड़ी हों। अगर हर सेना अलग–अलग काम करेगी, तो फैसला लेना मुश्किल हो सकता है। एकीकृत प्रणाली से सेनाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। आज हमें साइबर हमलों और सूचना युद्ध का खतरा है, इसलिए हमें इनके लिए मानक तय करने होंगे। उन्होंने आगे कहा, जब हम मानक तय करने की बात करते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि सेनाओं की अपनी पहचान खत्म हो जाएगी। हम हर सेना पर एक जैसा तरीका नहीं थोप सकते। हमें ऐसी प्रणाली बनानी होगी जो तीनों सेनाओं के काम को एकसाथ जोड़े। मुझे भरोसा है कि इस पर गंभीर चर्चा होगी और रक्षा मंत्रालय पूरा सहयोग करेगा। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि देश को इस दिशा में लगातार काम करने की जरूरत है, ताकि एक ऐसी आधुनिक और सक्षम प्रणाली तैयार की जा सके जो सभी सेवाओं के लिए उपयोगी हो। उन्होंने कहा, इसके लिए हमें लगातार संवाद की जरूरत होगी। इस प्रक्रिया में नेतृत्व की भूमिका बहुत अहम होगी। हर कदम पर यह स्पष्ट करना होगा कि यह सुधार क्यों जरूरी है। जब तक हर सेवा और हर कर्मचारी को श्संयुक्तताश् का महत्व समझ में नहीं आएगा, तब तक यह सफल नहीं हो सकता। हम दूसरे देशों के अच्छे अनुभवों से सीख सकते हैं, लेकिन हर देश की अपनी परिस्थितियां होती हैं। हमें अपनी जरूरतों के हिसाब से समाधान तैयार करना होगा। रक्षा मंत्री ने थल सेना, वायु सेना और नौसेना के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि देश ऑपरेशनल तैयारियों की दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन अब अगला कदम त्रि–सेवा लॉजिस्टिक्स का एकीकरण होना चाहिए।

सीएम मान दिल्ली दौरे पर, गृहमंत्री अमित शाह से करेंगे मुलाकात

चंडीगढ़ , (एजेंसी)। मुख्यमंत्री भगवंत मान आज दिल्ली जाएंगे। मान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करेंगे और उनके साथ पंजाब में बाढ़ से हुए नुकसान की रिपोर्ट सांझा करेंगे। मान केंद्र सरकार से 20 हजार करोड़ के राहत पैकेज की मांग करेंगे। वहीं मान के दिल्ली दौरे पर केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने तंज कसा है। बिट्टू ने कहा कि आप सरकार पंजाबियों को गुमराह कर रही है। सीएम कहते हैं कि पीएम उन्हें मिलने का समय नहीं दे रहे हैं, केंद्र सरकार उनकी सुन नहीं रहा, मदद को तैयार नहीं है। बिट्टू ने कहा कि यदि केंद्र सुन नहीं रहा है तो वे मंगलवार को गृहमंत्री अमित शाह से मिलने कैसे जा रहे हैं। प्रध ाानमंत्री कार्यालय कई बार राज्य सरकार को कह चुका है कि वे अपने अफसरों के साथ दिल्ली पहुंचे और केंद्र की टीमों के साथ अपने नुकसान संबंधी आंकडेध साझा करे, उसके बाद विशेष पैकेज की बात करे लेकिन अभी तक कोई अफसर व मंत्री आंकड़े लेकर पीएमओ नहीं पहुंचा है। बिट्टू ने कहा कि केंद्र की तरफ से जो डीबीटी योजनाएं हैं, उसका पैसा सीधा जाएगा और जो फंड राज्य सरकार के मार्फत जाना है, वे उनके माध्यम से बाढ़ पीड़ितों तक जाएगा।

नायडू ने सीतारमण से पूर्वोदय योजना के लिए माँगा विशेष फंड

आंध्र प्रदेश, (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और एक विस्तृत ज्ञापन सौंपकर केंद्र सरकार से पूर्वोदय योजना के तहत राज्य को वित्तीय सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पूर्वी राज्यों के समग्र विकास के लिए केंद्र द्वारा शुरू की गई पूर्वोदय योजना के तहत बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश को पहले ही प्रमुख लाभार्थियों के रूप में पहचाना जा चुका है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य कृषि, औद्योगिक और बुनियादी ढाँचे के विकास को बढ़ावा देकर पूर्वी क्षेत्रों की आर्थिक क्षमता को उजागर करना है, जिससे क्षेत्रीय असमानताओं को कम किया जा सके और समावेशी विकास को बढ़ावा मिले। संतुलित विकास की आवश्यकता पर बल देते हुए, मुख्यमंत्री नायडू ने बताया कि राज्य सरकार ने क्षेत्रीय प्रगति के लिए योजना के धन का प्रभावी ढंग से उपयोग करने हेतु व्यापक योजनाएँ तैयार की हैं। अपने दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए, मुख्यमंत्री ने वित्त मंत्री सीतारमण को बताया कि राज्य सरकार का लक्ष्य रायलसीमा में बागवानी को बढ़ावा देना, उत्तरी आंध्र में कॉफी बागानों, काजू और नारियल के खेतों का विस्तार करना और तटीय आंध्र में जलीय कृषि गतिविधियों को मजबूत करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पूर्वोदय के तहत इन परियोजनाओं के लिए लक्षित वित्त पोषण से न केवल उत्पादकता में सुधार होगा, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन और आय का स्तर भी बढ़ेगा। मुख्यमंत्री नायडू ने विशेष रूप से रेखांकित किया कि इस योजना का कार्यान्वयन उत्तरी आंध्र और रायलसीमा जैसे पिछड़े क्षेत्रों के उत्थान में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाएगा, जो ऐतिहासिक रूप से औद्योगिक और आर्थिक विकास के मामले में पिछड़े रहे हैं। वित्त मंत्री के साथ अपनी बैठक के अलावा, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री सीआईआई के कर्टेन–रेजर साझेदारी शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे, जहाँ उनसे राज्य में निवेश के अवसरों की रूपरेखा तैयार करने और नवंबर में विशाखापत्तनम में आयोजित होने वाले सीआईआई के भव्य शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए निवेशकों को आमंत्रित करने की उम्मीद है।

लद्दाख की जनता से विश्वासघात हुआ : राहुल गांधी

लेह, (एजेंसी)। लद्दाख में प्रदर्शन के दौरान पुलिस फायरिंग में चार लोगों की मौत के बाद अब यह मामला देश की राजनीति में गरमाने लगा है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस घटना को लेकर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रध ाानमंत्री मोदी ने लद्दाख की जनता से विश्वासघात किया है और इस घटना की निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग की है। मृतकों में कारगिल युद्ध के वीर योद्धा त्सेवांग थरचिन भी शामिल थे, जो शांतिपूर्ण प्रदर्शन का हिस्सा थे। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो साझा किया जिसमें थरचिन के पिता नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा शपिता सेना में, बेटा सेना में देशभक्ति इनके खून में है। फिर भी इस देशभक्त बेटे

को भाजपा सरकार ने गोली मार दी, सिर्फ इसलिए क्योंकि वह लद्दाख के लिए और अपने अधिकारों के लिए खड़ा था। उन्होंने कहा कि थरचिन के पिता की पीड़ा भरी आंखें पूछ रही हैं, क्या यही है देश की सेवा का इनाम? हम मांग करते हैं कि लद्दाख में हुई इन हत्याओं की निष्पक्ष न्यायिक जांच हो और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। मोदी जी, आपने लद्दाख की जनता के साथ विश्वासघात किया है। वे अपने अधिकार मांग रहे हैं। उनसे संवाद करिए हिंसा और डर की राजनीति बंद करिए। इससे पहले कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को भी घटना की तीखी निंदा की थी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने लिखा कि थरचिन ने सियाचिन ग्लेशियर पर सेवा की थी और 1999 के कारगिल युद्ध में वीरता से लड़े थे। उनके पिता भी सेना में थे। त्सेवांग थरचिन लद्दाख को छठे शेड्यूल का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे थे। यह बेहद दुखद और शर्मनाक है कि उन्हें अन्य तीन लोगों के साथ गोली मार दी गई। 24 सितंबर, बुधवार को लद्दाख में राज्य के दर्जे और छठे शेड्यूल की मांग को लेकर प्रदर्शन हो रहा था, जो अचानक हिंसक हो गया। प्रदर्शनकारियों ने स्थानीय भाजपा कार्यालय में आग लगा दी और पुलिस व सीआरपीएफ पर पथराव किया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने फायरिंग की, जिसमें चार प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हुए। इसके दो दिन बाद, 26 सितंबर को लद्दाख के प्रसिद्ध पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत हिरासत में ले लिया गया।

संपादकीय

मोदी ने किया सेना का अपमान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि जिस कुर्सी पर वे बैठे हैं, जिस महान देश की सत्ता इस समय वो संभाल रहे हैं, उसकी जिम्मेदारी का रत्ती भर एहसास भी उन्हें नहीं हैं। चालाक राजनेता की तरह चुनाव जीतना, अपना प्रचार करवाना और सही–गलत की परिभाषा से परे होकर चंद लोगों के इशारे पर काम करना अलग बात है, लेकिन भारत का प्रधानमंत्री होने के लिए जो अघोषित मापदंड बने हुए हैं, जिन पर अब तक के तमाम प्रधानमंत्री पूरी तरह खरे उतरे हैं, नरेन्द्र मोदी उन्हें किसी लिहाज से पूरा नहीं कर रहे हैं। नरेन्द्र मोदी की भाषा और सोच का स्तर और कितना नीचे गिरेगा, इस बारे में अब कोई दावा नहीं किया जा सकता। मई में ऑपरेशन सिंदूर को जब श्री मोदी ने राजनैतिक मकसद से भुनाना शुरु किया था, तब भी यह देखकर अजीब लगा था कि सेना के काम का राजनीतिकरण इस देश में कभी नहीं हुआ, अब वो भी हो रहा है। लेकिन रविवार 28 सितंबर को एशिया कप जीतने के बाद भारतीय टीम को नरेन्द्र मोदी ने जब बधाई दी, तो ऑपरेशन सिंदूर को मजाक का विषय बना दिया। सेना का ऐसा अपमान देश में कभी नहीं हुआ था। प्रधानमंत्री ने मैच की तुलना श्ऑपरेशन सिंदूरश से करते हुए लिखा कि श्नतीजा वही रहा, भारत जीताश। मोदी के नक्शेकदमों पर चलते हुए अमित शाह का भी इसी तरह का बधाई संदेश आया और सोशल मीडिया पर नफरती पोस्ट्स की भरमार हो गई। सिंदूर मांगा था, तिलक लगा दिया, जैसे सस्ते फिल्मी संवाद मीडिया की सुर्खियां बनें। गौरतलब है कि पहलगाम में 22 अप्रैल को चार आतंकियों ने हमला कर पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाई थीं, जिनमें 26 लोगों की अकाल मौत हुई थी। आज तक उन आतंकियों का कुछ अता–पता नहीं है कि वो कैसे देश के भीतर आए और किस तरह गोलियां बरसाकर चले गए। इस हमले के बाद 6 मई की आधी रात ऑपरेशन सिंदूर नाम से भारतीय सेना ने अभियान चलाया और पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला किया। इन हमलों में भारत को सफलता मिल ही रही थी कि अचानक 10 मई को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दुनिया को बताया कि उन्होंने भारत–पाकिस्तान के बीच युद्धविराम करवाया है। तब से अब तक कई बार ट्रंप इस दावे को दोहरा चुके हैं। हालांकि भारत सरकार का दावा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है, खत्म नहीं हुआ है। जब पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य अभियान जारी है तो फिर उसके साथ मैच क्यों खेला जाए, यह सवाल 14 सितंबर से पहले उठा था, जिसके बेतुके जवाब सरकार की तरफ से आए। 14 के बाद 21 सितंबर को भी दोनों देशों के बीच मैच हुआ और फिर 28 सितंबर को फाइनल मुकाबला भी भारत–पाक के बीच ही हुआ। अब क्रिकेट मैच में फिक्सिंग के सबूत सामने नहीं आते हैं, लेकिन यह महज संयोग नहीं हो सकता कि लगातार तीन रविवार उन दो टीमों के बीच ही मैच हो, जिन में सट्टे से सबसे अधिक कमाई होती है। 28 तारीख का फाइनल मुकाबला भी बिल्कुल सट्टेबाजी जैसा प्रायोजित लगा। पाकिस्तानी टीम भारतीय टीम पर भारी पड़ती दिखाई दी। मैच के अंतिम क्षणों तक रोमांच बना रहे, यह सुनिश्चित किया गया, ताकि सट्टे की कमाई बढ़ती जाए। आखिर में भारत जीत गया और इस पर आश्चर्य नहीं हुआ। हैरानी यह देखकर हुई कि नरेन्द्र मोदी ने फौरन इसे खेल नहीं युद्ध की जीत की तरह प्रस्तुत कर दिया। मानो उनका राष्ट्रवाद इसी के इंतजार में बैठा था। युद्ध के मैदान और खेल के मैदान का फर्क मोदी ने मिटा दिया। खेल में तो हार–जीत को खेल भावना से लिया जाता है, लेकिन लड़ाई में हार का मतलब सैनिकों की शहादत और आम जनता की बर्बादी होता है। ऑपरेशन सिंदूर में भारत को सफलता जरूर मिली है, लेकिन इसके साथ पाक के हमलों में जो आम नागरिक मारे गए, उस नुकसान को नजरंदाज नहीं किया जा सकता। नरेन्द्र मोदी के इस ट्वीट पर कायदे से सेना को ही आपत्ति दर्ज करनी चाहिए कि उसकी जांबाजी को अपने सस्ते प्रचार के लिए कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है। पहलगाम के 26 मृतकों और पाक के हमलों में मारे गए लोगों के परिजनों को प्रधानमंत्री के ऐसे ट्वीट देखकर कितना दुख होता होगा, । इसका अनुमान भी लगाया नहीं जा सकता। वैसे 28 सितंबर 2025 को भद्रजनों का खेल कहे जाने वाले क्रिकेट के इतिहास में एक काले दिन के तौर पर दर्ज किया जाना चाहिए। क्योंकि इस दिन खेलभावना की सारी मर्यादाएं टूटी हैं। भारतीय टीम ने जीत के बाद एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड प्रमुख मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया।

टैरिफ तलवार से अब सिनेमा पर वार, विदेशी फिल्मों पर 100% टैरिफ से बॉलीवुड होगा प्रभावित

नीरज

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ऐसा फैसला लिया है जिसने भारत समेत पूरी दुनिया की फिल्म इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। अपने पारंपरिक अंदाज में सोशल मीडिया पर घोषणा करते हुए ट्रंप ने कहा है कि अब अमेरिका के बाहर बनी किसी भी फिल्म पर 100: टैरिफ (कर) लगाया जाएगा। उनका तर्क है कि "अमेरिकी फिल्म उद्योग को अन्य देशों ने चुरा लिया है, ठीक वैसे ही जैसे किसी बच्चे से टॉफी छीन ली जाती है।" देखा जाये तो यह फैसला केवल कूटनीतिक या वाणिज्यिक कदम नहीं है, बल्कि ट्रंप की "अमेरिका फर्स्ट" सोच का नया नमूना है। किंतु सवाल यह है कि यह लगातार भारत जैसे देशों के हितों के विरुद्ध क्यों जाता है? और इससे भारत की सबसे प्रभावशाली सांस्कृतिक धारा यानि बॉलीवुड पर क्या असर पड़ेगा? हम आपको बता दें कि ट्रंप का राजनीतिक आधार अमेरिकी मध्यवर्ग और घरेलू उद्योग जगत है, जो मानता है कि वैश्वीकरण ने उनकी नौकरियाँ छीन लीं। यही सोच फिल्म उद्योग में भी दिखाई देती है। अमेरिकी स्टूडियो लंबे समय से टथ और एनीमेशन का बड़ा हिस्सा भारत जैसे देशों में आउटसोर्स करते रहे हैं। यह भारत के लिए रोजगार और तकनीकी विकास का बड़ा अवसर था। लेकिन ट्रंप इसे "अमेरिका की कमजोरी" के रूप में देखते हैं। देखा जाये तो भारत के हितों के विरुद्ध ट्रंप की नीति कोई नई बात नहीं है। पहले भी उन्होंने स्टील, एल्युमिनियम और आईटी सेवाओं पर कठोर रुख अपनाया। अब फिल्म उद्योग को निशाना बनाकर वह भारत को दोहरा नुकसान पहुँचा रहे हैं। ट्रंप के फैसले के बॉलीवुड पर संभावित असर की बात करें तो आपको बता दें कि भारतीय फिल्म उद्योग हर साल 100 से 150 मिलियन डॉलर अमेरिकी बाजार से कमाता है। हिंदी और तेलुगु की बड़ी फिल्में अकेले 10 मिलियन डॉलर तक की कमाई अमेरिका में करती हैं। यदि 100: टैरिफ लागू होता है तो वहाँ टिकट की कीमत दोगुनी होकर 40 डॉलर तक पहुँच सकती है। इससे सबसे अधिक प्रभावित होंगे भारतीय प्रवासी दर्शक, जो अब तक भारतीय फिल्मों को बड़े पैमाने पर समर्थन देते आए हैं। इसके अलावा, और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स जैसे– नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम, डिज्नी हॉटस्टार के लिए भी यह झटका है। अगर भारतीय कंटेंट महँगा होगा, तो उसकी पहुँच कम होगी और प्रोड्यूसर्स को घाटा उठाना पड़ेगा। इससे भारतीय सिनेमा का वैश्विक प्रसार धीमा हो सकता है। विडंबना यह है कि ट्रंप जिस हॉलीवुड की रक्षा करना चाहते हैं, उसी को उनके फैसले से सबसे बड़ा नुकसान होगा। हम आपको बता दें कि अमेरिकी फिल्म उद्योग की 70: कमाई अंतरराष्ट्रीय बाजार से होती है। यदि अन्य देश जवाबी टैरिफ लगाते हैं

तो हॉलीवुड का कारोबार ध्वस्त हो सकता है। इसके अलावा, हॉलीवुड की तमाम बड़ी फिल्मोंकृ अवेंजसर्स्, एंडगेम, ड्यून, जंगल बुक, इंटरस्टेलर का पोस्ट–प्रोडक्शन भारत जैसे देशों में हुआ है। अगर यह सहयोग बाधित होता है तो न केवल लागत बढ़ेगी, बल्कि रचनात्मक गुणवत्ता भी प्रभावित होगी। माना जा रहा है कि भारतीय एनीमेशन और टथ उद्योग 2026 तक 2.2 बिलियन डॉलर का हो जाएगा। ट्रंप का यह फैसला इस ग्रोथ को रोक सकता है। लेकिन यह भारत के लिए एक अवसर भी है– नए बाजारों और साझेदारियों की तलाश का। यूरोप, एशिया और अफ्रीका में भारतीय कंटेंट के लिए संभावनाएँ हैं। अमेरिका के अतिरिक्त यदि भारत अपनी फिल्मों और सेवाओं को अन्य बाजारों तक पहुँचाता है तो वह इस झटके को संतुलित कर सकता है। देखा जाये तो ट्रंप का यह कदम एक बार फिर साबित करता है कि उनकी नीतियों का केंद्र केवल "अमेरिका फर्स्ट" है, भले ही इससे उनके सहयोगी देशों को नुकसान क्यों न हो। भारत जैसे उभरते साझेदार, जिन्होंने दशकों से अमेरिकी तकनीक, मनोरंजन और व्यापार को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है, इस फैसले से प्रत्यक्ष नुकसान उठाएँगे। बॉलीवुड, जो विश्व का सबसे बड़ा फिल्म उद्योग है, अमेरिकी बाजार में अपनी स्थिति खो सकता है। भारतीय दर्शकों के लिए टिकट और स्ट्रीमिंग की कीमतें बढ़ेंगी, और निर्माताओं को नए बाजार तलाशने होंगे। बहरहाल, ट्रंप के लिए यह राजनीतिक सफलता हो सकती है, किंतु वैश्विक सिनेमा के लिए यह कदम विनाशकारी सिद्ध होगा। सवाल यह है कि क्या दुनिया अमेरिकी राष्ट्रवाद के इस नए रूप के आगे झुक जाएगी, या फिर भारतीय सिनेमा समेत वैश्विक फिल्म उद्योग एकजुट होकर इसका जवाब देगा?

अखंड भारत का नाम, खंडित करने का काम

राजेंद्र

लद्दाख जैसे पर्यावरणीय दृष्टि से नाजुक और मुख्यतरू आदिवासी आबादी वाले प्रदेश के लिए स्वायत्तता का यह अंत इसलिए और भी खतरनाक हो जाता है कि दिल्ली के वर्तमान शासन की शविकासश की संकल्पना, संक्षेप में दरबारी इजारेदारों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों की अंधाधुंध लूट का रास्ता खोलने की ही संकल्पना है। लद्दाख का बर्फ का रेगिस्तान स्वाभाविक रूप से उनकी नजरों में ऐसी लूट का खुला मैदान है। लद्दाख स्वतंत्र भारत की राजनीति और इतिहास की जरा सी भी जानकारी रखने वाला हरेक व्यक्ति यही कहता नजर आता है कि यह तो देश का सबसे शांत और सबसे प्रेम करने वाला हिस्सा था। और देश के सैन्य इतिहास की जरा सी जानकारी रखने वाला हरेक व्यक्ति इसमें यह जोड़ता नजर आता है कि क्या यह वही लद्दाख है? जिसके लोग,भारतीय सेना का बहुत ही मजबूत सहारा तथा आधार बने रहे हैं। यह लद्दाख के इसी चरित्र के अनुरूप था, जिसका कुछ

दिल्ली तक की लंबी पदयात्रा, इस आंदोलन की प्रमुख हाई लाइट रही थीं। यह भी संयोग ही नहीं था कि इस आंदोलन के पीछे, राजनीतिक संगठनों से बढ़कर, गैर–राजनीतिक सामाजिक, सामुदायिक संगठनों की ही ताकत ज्यादा थी, जो लेह अपेक्स बॉडी और कारगिल डैमोक्रेटिक एलाइंस जैसे ढीले–ढाले किंतु जनतांत्रिक व समावेशी लोकप्रिय मंचों पर एकजुट हुए थे। और इस आंदोलन का नेतृत्व मैगासेसे समेत अनेक अंतरराष्ट्रीय–राष्ट्रीय सम्मानों से सम्मानित और पचासों पेटेंटों के श्रेय से संपन्न, सोनम वांगचुक जैसे समाज तथा पर्यावरण की चिंता करने वाले आविष्कारक तथा उनके साथी कर रहे थे, जिनके जनहित के प्रति समर्पण में कोई सवाल नहीं उठा सकता था। और इस आंदोलन की मांगें क्या थीं? और मांगों से पहले, इनके उठाए जाने के इतिहास पर भी एक नजर डाल लेना उपयोगी होगा। अब से छरू साल पहले, 2019 के अगस्त में जब नरेंद्र मोदी की सरकार ने, संघ–भाजपा के मुस्लिम–विरोधी सांप्रदायिक एजेंडा के हिस्से के तौर पर, जम्मू–कश्मीर राज्य की अस्मिता पर घातक प्रहार किया था और उसके नाम–मात्र के विशेष दर्जे को ही नहीं, राज्य के ही दर्जे को भी खत्म करते हुए, उसे तोड़कर दो केंद्र–शासित प्रदेशोंकृजम्मू–कश्मीर तथा लद्दाखकृ में घटा दिया था, तब लद्दाख के लोग कुछ समय तक तो इसी मुगालते में रहे, जिसके लिए उन्हें सपने भी दिखाए गए थे कि यह कदम, अविभाजित जम्मू–कश्मीर में लद्दाख को जितनी स्वायत्तता हासिल थी, उससे ज्यादा स्वायत्तता दिला देगा। लेकिन, जल्द ही उनका यह भ्रम टूट गया, जब उन्होंने यह पाया कि संघ–भाजपा के राज में केंद्र शासित प्रदेश का अर्थ, शब्दशरू पूरी तरह से दिल्ली से ही शासित होना है और यह उनकी स्वायत्तता का पूरी तरह से अंत है। लद्दाख जैसे पर्यावरणीय दृष्टि से नाजुक और मुख्यतरू आदिवासी आबादी वाले प्रदेश के लिए स्वायत्तता का यह अंत इसलिए और भी खतरनाक हो जाता है कि दिल्ली के वर्तमान शासन की शविकासश की संकल्पना, संक्षेप में दरबारी इजारेदारों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों की अंधाधुंध लूट का रास्ता खोलने की ही संकल्पना है। लद्दाख का बर्फ का रेगिस्तान स्वाभाविक रूप से उनकी नजरों में ऐसी लूट का खुला मैदान है। इसके लक्षण भी जल्द ही दिखाई देने लगे, जब सोलर पार्क के नाम पर एक शहर के बराबर जमीन दिल्ली के शासकों के चहेते इजारेदार, अडानी को सौंपने और इसी तरह से जमीन के बंटवारे की तैयारियां शुरू हो गयीं, जिससे पशुचारण समेत इन आदिवासियों का परंपरागत जीवन ही खतरे में पड़ जाने वाला था। इस खतरे के सामने केंद्र शासित प्रदेश के दर्जे से लद्दाख के लोगों का बड़ी तेजी से मोहभंग हुआ और राज्य के दर्जे की मांग उभरकर सामने आ गयी। इस मांग को इस तथ्य से और बल मिला कि जम्मू–कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल किए जाने का वादा मोदी सरकार फिर भी जब–तब दोहराती रही है, लद्दाख को इस वादे से अलग रखा गया है। यह दूसरी बात है कि सुप्रीम कोर्ट को सामने इसका वादा करने के बावजूद और जम्मू–कश्मीर में विधानसभा के गठन के बाद सभी राजनीतिक पार्टियों द्वारा राज्य के दर्जे की मांग किए जाने के बावजूद, केंद्र सरकार ने अपना वादा पूरा करने के प्रति कोई गंभीरता नहीं दिखाई है। जम्मू–कश्मीर विधानसभा के गठन से, इस सब के बीच लद्दाख का ठगा जाना और भी साफ हो गयाकृजम्मू–कश्मीर के हिस्से के तौर पर विधानसभा में लद्दाख का जो प्रतिनिधित्व हुआ भी करता था, अब वह भी छिन गया था। तमाम विधायी अधिकार छिनने के बाद, उनके पास प्रतिनिधित्व के नाम पर सिर्फ दो डैवलपमेंट काउंसिल बची थीं, लेह और कारगिल की अलग–अलग काउंसिलें। इसी पृष्ठभूमि में जब 2020 में लेह डैवलपमेंट काउंसिल का चुनाव हुआ, राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग और उससे भी बढ़कर, लद्दाख को छठी अनुसूची में रखे जाने की मांग, ताकि उसकी जमीनों पर अंततरू स्थानीय समुदाय का नियंत्रण बना रहे और ये जमीनें अंधाधुंध तरीके से उद्योगपतियों में नहीं बांटी जा सकें, जनता की एक सर्वस्वीकार्य मांग बन चुकी थी। यहां तक कि भाजपा को भी अपने चुनाव घोषणापत्र में इसका वादा करना पड़ा था और चुनाव प्रचार के दौरान, दोनों मांगों को अपनाना पड़ा था। यह दूसरी बात है कि संघ–भाजपा और उनकी सरकार की, लद्दाख की जनता की इन मांगों के प्रति अगंभीरता और वास्तव में शत्रुता, जनता को दिखाई देने में ज्यादा देर नहीं लगी। आखिरकार, संघ–भाजपा, अपनी विचारधारा से ही, जनगण की स्वायत्तता के नहीं, जनता के खिलाफ सत्ता के ज्यादा से ज्यादा केंद्रीकरण के हामी हैं। और हर कीमत पर अपने दरबारी इजारेदारों के मुनाफे अधिकतम करने वाले शविकासश की जिद, बढ़ते केंद्रीकरण के उनके इस आग्रह को और भी मारक बना देती है। इन्हीं हालात में राज्य के दर्जे, छठी अनुसूची और क्षेत्रीय सेवा आयोग तथा लद्दाख के लिए दो लोकसभा सीटकृलेह और कारगिल के अलग–अलगकृजैसी कुछ अन्य मांगों को लेकर लद्दाख की जनता का लंबा, धैर्यपूर्ण आंदोलन जब शुरू हुआ, संघ–भाजपा स्वाभाविक रूप से उससे बाहर हो गए। कहने की जरूरत नहीं है कि इस आंदोलन का एक और निहितार्थ, बौद्घ–बहुल लद्दाख को, मुस्लिम बहुल कारगिल के खिलाफ खड़ा करने की संघ–भाजपा की कोशिशों का विफल होना भी था। इन साझा मांगों पर लेह और कारगिल, दोनों पूरी तरह से एकजुट हैं। अगर दिल्ली में कोई जनतांत्रिक सरकार रही होती उसने लद्दाख की विशिष्ट भौगोलिक स्थिति, उसकी भूमिका, इस आंदोलन की लोकप्रिय प्रकृति, उसके गांधीवादी स्वरूप को देखते हुए और सबसे बढ़कर इसे याद रखते हुए देश की सत्ताधारी पार्टी खुद इन मांगों का वादा कर चुकी थी, लद्दाख की जनता के इस आंदोलन को देश के जनतंत्र तथा जनता की एकता की ताकत बना दिया गया होता। ?

वैश्विक व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती दक्षिण एशियाई दरारें

नृपेन्द्र

दक्षिण एशिया आज जिस दौर से गुजर रहा है, वह केवल आंतरिक अस्थिरता की कथा नहीं है, बल्कि वैकि राजनीति की गहरी छायाओं से आच्छादित परिदृश्य भी है। यह भू–भाग, जो कभी प्राचीन सभ्यताओं, सांस्कृतिक बहुलता और समृद्ध परंपराओं का उद्गम स्थल रहा, आज अंतरराष्ट्रीय शक्तियों के हितों की प्रयोगशाला और प्रतिस्पर्धा का अखाड़ा बन गया है। श्रीलंका से लेकर बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार तक, और पाकिस्तान से लेकर अफगानिस्तान तक, लगभग सभी देशों में उथल–पुथल, आंदोलनों और सत्ता संघर्ष का आलम है। इन घटनाओं ने क्षेत्र की स्थिरता को संकट में डाल दिया है। श्रीलंका इसका सबसे ताजा उदाहरण है। 2022 में जब इस द्वीप राष्ट्र में आर्थिक संकट ने भयावह रूप लिया तब जनता ने राजपक्षे परिवार की सत्ता को उखाड़ फेंका। विदेशी कर्ज का बोझ, भ्रष्टाचार और राजनीतिक कुप्रबंधन ने आम लोगों को सड़कों पर उतरने को मजबूर कर दिया। यह आंदोलन सरकार–विरोधी आक्रोश भर नहीं था, बल्कि संकेत था कि जनता की आकांक्षाओं की उपेक्षा की जाएगी तो सत्ताधारी वर्ग के लिए कुर्सी बचाना असंभव होगा। कुछ ही समय बाद बांग्लादेश में भी आक्रोश की लपटें उठीं। शेख हसीना की सरकार, जिसने विकास और आर्थिक प्रगति के नाम पर स्थायित्व कायम किया था, अचानक विपक्ष और जनता के निशाने पर आ गई। बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर प्रश्न चिह्न ने आंदोलन को जन्म दिया। नेपाल की स्थिति और भी जटिल है। नेपाल का भूगोल, रणनीतिक स्थिति और भारत–चीन के बीच उसकी अहमियत ने इसे बाहरी हस्तक्षेप का सहज शिकार बना दिया है। वहां की राजनीति में लगातार बदलते गठबंधन, नेतृत्व की अस्थिरता और जनता की आकांक्षाओं की उपेक्षा ने असंतोष को हवा दी है। राजतंत्र समर्थक और कट्टरपंथी ताकतें असंतोष को भुनाने में जुटी हैं, जिससे नेपाल की सामाजिक संरचना में नई दरारें पड़ रही हैं। इसी तरह म्यांमार, जहां सेना ने लोकतांत्रिक सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया, वर्षो से गृह युद्ध और विद्रोह की चपेट में है। लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। यहां विदेशी शक्तियों की भूमिका और भी स्पष्ट दिखती है। अमेरिका और पश्चिमी देशों का दबाव, चीन की गहरी आर्थिक पैठ और क्षेत्रीय शक्ति–संतुलन की लड़ाई ने म्यांमार को अस्थिरता की ओर धकेल दिया है। पाकिस्तान की स्थिति भी किसी से छिपी नहीं है। यहां एक ओर सेना और न्यायपालिका की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं, वहीं लोकतांत्रिक ढांचा कमजोर होता जा रहा है। विदेशी कर्ज पर निर्भरता, मुद्रास्फीति और बढ़ते आतंकी हमलों ने जनजीवन को असुरक्षित बना दिया है। दक्षिण और दक्षिण–पूर्व एशिया दो महाशक्तियों–अमेरिका और चीन–की प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन चुका है।

भारत का डिजिटल तकनीक नहीं बदलाव का दशक

राव इंद्रजीत सिंह

पिछले एक दशक में भारत में एक ऐसी डिजिटल क्रांति आई है जो असाधारण है। यह यात्रा आकस्मिक नहीं थी। इसे भारत सरकार द्वारा ठोस नीति निर्धारण, अंतरमंत्रालयी सहयोग और समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया गया है। जब संबद्ध मंत्रालयों जैसे इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), वित्त मंत्रालय (एमओएफ), कृषि मंत्रालय और अन्य मंत्रालयों ने बड़े पैमाने पर जमीनी स्तर पर परियोजनाओं को पूरा किया तो दूसरी ओर नीति आयोग ने अभिसरण को बढ़ावा देकर, विचारों को नेतृत्व देकर और स्केलेबल, नागरिक–प्रमुखता वाले नवाचारों की ओर पग्राली को प्रेरित कर नीति इंजन का काम किया है। जन धन–आधार–मोबाइल (जेएएम) ट्रिनिटी की शुरुआत के साथ इसमें एक महत्त्वपूर्ण मोड़ आया है। लगभग 55 करोड़ बैंक खातों के खोलने के साथ–साथ करोड़ों लोगों, जो पहले वित्तीय पग्राली की पहुंच से बाहर थे, को उन्हें अकस्मात बैंकिंग व्यवस्था और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तक पहुंच प्राप्त हुई है।

ओडिशा के एक छोटे से गांव में पहली बार बिना बिचौलिए की सहायता से एक सिंगल मदर को कल्याणकारी लाभ सीधे उनके खाते में प्राप्त करने में सक्षम बनाया गया। उनकी कहानी भारत भर के करोड़ों लोगों की कहानी बन गई है। यह वृहद वित्तीय समावेशन आंदोलन वित्त मंत्रालय के समर्थन और आधार तथा मोबाइल पैठ की सक्षम सहायता से अगला कदमरू एक वित्तीय–प्रौद्योगिकी विस्फोट का आधार बना।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गदर्शन में विकसित एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) ने भारतीयों के लेन–देन के तरीके में क्रांति ला दी है। किसी मित्र को पैसे भेजने के एक अनूठे तरीके के रूप में शुरू किया गया यह तरीका शीघ्र ही छोटे व्यवसायों, सब्जी विक्रेताओं और गिग वर्कर्स की जीवनरेखा बन गया। आज भारत में प्रति माह 17 बिलियन से अधिक यूपीआई के माध्यम से लेन देन होते हैं। इसी दौरान, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत भारत की डिजिटल अवसंरचना के मुख्य तंत्र को निरंतरता से तैयार किया जा रहा है। भारतनेट जैसी परियोजनाओं ने दो लाख से अधिक ग्राम पंचायतों तक ब्रॉडबैंड पहुंचाया है, जबकि इंडिया स्टैक ने कागज–रहित, उपस्थिति–रहित और नकदी–रहित सेवाओं का ढांचा तैयार किया।

डिजी–लॉकर ने छात्रों को अपने प्रमाणपत्र डिजिटल रूप में रखने, और ई–हस्ताक्षर ने महत्त्वपूर्ण दस्तावेज के लिए दूरस्थ प्रमाणीकरण प्रदान किया। डिजी–यात्रा एक अग्रणी पहल है जो चेहरे के पहचान की तकनीक का उपयोग करके निर्बाध, कागज–रहित और संपर्क–रहित हवाई यात्रा को संभव बनाती है। यह भारतीय विमानन के भविष्य की तैयारी और यात्री–अनुकूल बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। ये मात्र ऐप ही नहीं हैं– एक डिजिटल गणराज्य की आधारशिला हैं। डिजिटल गवन्रेंस ने भी गवर्नमेंट ई–मार्केटप्लेस (जेम) के शुभारंभ के साथ बड़ी उछाल लगाई है। सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता और दक्षता लाने के लिए डिजाइन किए गए, जेमने 1.6 लाख से अधिक सरकारी क्रेताओं को 22 लाख से अधिक विक्रेताओं से जोड़ा है–जिसमें महिला उद्यमियों और एमएसएमई की बढ़ती संख्या शामिल है। राजस्थान के एक छोटे हस्तशिल्प विक्रेता के लिए, इसका अभिप्राय सरकारी संविदाओं तक पहुंच प्रदान करना था जो पहले अकल्पनीय था।

कृषि क्षेत्र, जिसे प्रायरू परिवर्तन के प्रतिरोधी के रूप में देखा जाता है, ने भी डिजिटल साधनों को अपनाना शुरू कर दिया है। पीएम–किसान जैसे प्लेटफॉर्म ने सुनिश्चित किया कि आय सहायता किसानों तक सीधे पहुंचे। ई–नैम ने राज्यों की कृषि मंडियों को जोड़ा, जिससे किसानों को अपनी उपज के बेहतर दाम मिल सके। डिजिटल मृदा स्वास्थ्य कार्ड ने उन्हें समझने में मदद की कि उन्हें कौन सी फसल उगानी चाहिए और अपनी भूमि में

कौन से पोषक तत्वों का प्रयोग करना चाहिए। झारखंड के ग्रामीण–क्षेत्रों में स्थानीय उद्यमियों द्वारा संचालित सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) उनके लिए एक प्रकार से डिजिटल जीवन रेखा बन गए जो टेली–मेडिसिन से लेकर बैंकिंग और कौशल विकास कार्यक्रमों तक हर पेशकश करते हैं।

महामारी भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के लिए कठिन परीक्षा थी जिसमें हम बखूबी सफल हुए। स्कूल बंद होने के बावजूद, दीक्षा और स्वयं जैसे प्लेटफॉर्मो ने सुनिश्चित किया कि पढ़ाई अनवरत चलती रहे। लद्दाख और केरल के छात्र भी भारत भर के शिक्षकों द्वारा तैयार की गई शिक्षण सामग्री का प्रयोग कर सकते हैं। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन ने अपना आकार लिया जिससे नागरिकों को एक डिजिटल आईडी के माध्यम से अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड तक पहुंच प्राप्त हुई और अस्पतालों एवं राज्यों में सहज वातावरण बन सका। वाणिज्य में भी एक शांत क्रांति देखी गई। डीपीआईआईटी की पहल, ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) अब छोटी किराना दुकानों और हथकरघा बुनकरों को बड़ी ई–कामर्स कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बना रही है।

नीति आयोग की अभिसरण भूमिका–मंत्रालयों, राज्यों, स्टार्टअप्स और उद्योग जगत को एकजुट करना है–जो सुनिश्चित करता है कि डिजिटल सार्वजनिक वस्तुएं अंतर–संचालनीय, समावेशी और स्केलेबल हों। जैसे–जैसे भारत अपने 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, नये आयाम उभर रहेंहैं रू एआई–सक्षम शासन, विकेंद्रीकृत वाणिज्य और बहुभाषी, मोबाइल–प्रथम डिजिटल सेवाएं जो देश के सबसे गरीब व्यक्ति तक पहुंच सकती हैं। लेकिन यह सिर्फ एक सरकारी सफलता से जुड़ी कहानी नहीं है। यह एक राष्ट्र की कहानी है–करोड़ों नागरिकों की कहानी है, जिन्होंने बदलाव को अपनाया, उद्यमियों की कहानी है, जो डिजिटल रेल पर आगे बढ़े, और स्थानीय लीडरों की कहानी है, जिन्होंने सेवा वितरण की कल्पना की। भारत का डिजिटल दशक सिर्फ तकनीक का नहीं है–यह बदलाव का दशक भी है, और यह कहानी का अभी प्रारंभिक चरण ही है।

लखनऊ 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के लिए आधुनिक टेंट सिटी का भूमि पूजन

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने आज भारत स्काउट और गाइड, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी एवं ग्रैंड फिनाले डायमंड जुबली जम्बूरी (23 से 29 नवम्बर, 2025) के लिए लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड, वृन्दावन योजना, सेक्टर–15 में विकसित की जा रही आधुनिक टेंट सिटी का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बेसिक शिक्षा संदीप सिंह, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) माध्यमिक शिक्षागुलाब देवी, अध्यक्ष भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश एवं पूर्व जलशक्ति मंत्री डॉ. महेन्द्र सिंह, और प्रादेशिक मुख्ययायुक्त (सेवानिवृत्त) डॉ. प्रभात कुमार उपस्थित रहे।भूमि पूजन के दौरान श्री खन्ना ने बटन दबाकर शुभंकर और जम्बूरी के लोगो का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि यह जम्बूरी न केवल भारत और उत्तर प्रदेश के युवा शक्ति को एक मंच प्रदान करेगी, बल्कि युवाओं में सेवा, त्याग और चरित्र निर्माण के मूल्य भी स्थापित करेगी। उन्होंने स्काउट एवं गाइड संगठन के सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह संगठन युवाओं के शैक्षिक, आध्यात्मिक, शारीरिक और बौद्धिक विकास का मार्ग प्रशस्त करता है।उन्होंने बताया कि आज देशभर में 57 लाख लोग स्काउट और गाइड से जुड़े हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश में 10 लाख लोग सक्रिय सदस्य हैं। श्री खन्ना ने कहा कि यह जम्बूरी केवल एक समागम नहीं, बल्कि युवाओं को सामाजिक सेवा, भाईचारा, स्वच्छता, पर्यावरणीय जिम्मेदारी और समावेशी विकास का संदेश देने का अवसर है।उल्लेखनीय है कि यह राष्ट्रीय जम्बूरी उत्तर प्रदेश में 61 वर्षों के बाद आयोजित हो रही है, जबकि पिछली जम्बूरी वर्ष 1964 में प्रयागराज (तत्कालीन इलाहाबाद) में सम्पन्न हुई थी। इस बार आयोजन में देशभर से लगभग 30,000 स्काउट–गाइड्स, विभिन्न देशों से 2,000 प्रतिभागी और लगभग 3,000 अधिकारी व स्टाफ शामिल होंगे। कुल मिलाकर लगभग 35,000 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे।जम्बूरी की टेंट सिटी को आधुनिकतम सुविधाओं और पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जा रहा है। प्रमुख सुविधाओं में 3,500 टेंट, 1,600 शौचालय एवं स्नानागार, 35,000 क्षमता वाला एरिना, 64 रसोईघर, 100 दुकानों वाली जम्बूरी मार्केट, एडवेंचर बेस, ग्लोबल विलेज, प्रदर्शनी हॉल, 100 बिस्तरों का अस्पताल, 15 डिस्पेंसरी, 2 हेल्पलाइन और वाई–फाई जोन शामिल हैं।यह भूमि पूजन समारोह केवल जम्बूरी की तैयारियों की औपचारिक शुरुआत नहीं है, बल्कि यह युवाओं को नेतृत्व, अनुशासन और सामाजिक सेवा के आदर्श सिखाने का अवसर भी है। 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक परंपरा और युवा शक्ति को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

ढाई साल में 11 हजार से अधिक बिजली दुर्घटनाएं, 3,600 लोगों की जान लील गया करंट

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में करीब ढाई साल में करंट लगने की 11 हजार से अधिक दुर्घटनाएं हुईं। इनमें 3,606 लोगों की मौतें हुई हैं। मरने वालों में 257 बिजली कर्मी शामिल हैं। पूर्वांचल, दक्षिणांचल, पश्चिमांचल, मध्यांचल और केस्को को मिलाकर मार्च 2023 से 15 सितंबर 2025 के बीच विभिन्न स्थानों पर करंट से हुई दुर्घटनाओं को लेकर विद्युत सुरक्षा निदेशालय ने रिपोर्ट तैयार कर ली है। दुर्घटनाओं में मरने वालों में 257 बिजली कर्मी तथा 3,349 आम नागरिक हैं। 3,825

अग्निकांड में करोड़ों की फसल जली है। 3600 मवेशियों की भी मौतें हुई हैं। ज्यादातर मवेशियों की मौत बिजली के पोल में करंट उतरने, जलभराव में करंट प्रवाहित तार टूटकर गिरने से हुई हैं। विभाग के अधिकारियों के मुताबिक करंट से व्यक्ति की मौत पर पांच लाख मुआवजा दिया जाता है। मवेशी की मौत पर उसकी नस्ल के आधार पर राजस्व विभाग रिपोर्ट तैयार करता है। फिर मुआवजा दिया जाता है।

संक्षिप्त खबरें

1877 से जारी रजिस्टर्ड डाक सेवा का आखिरी दिन

लखनऊ, (संवाददाता)। ब्रिटिश हुकूमत के समय से चिट्ठी और दस्तावेजों को सुरक्षित तरीके से पहुंचाने के भरोसे वाली डाक विभाग की रजिस्टर्ड डाक सेवा 30 सितंबर की रात बंद हो जाएगी। एक अक्तूबर से स्पीड पोस्ट के माध्यम से पत्र पहुंचेगा। रजिस्टर्ड डाक सेवा की शुरुआत 1877 में हुई थी। उस दौर में यह सबसे सुरक्षित माध्यम माना जाता था, जिससे कानूनी दस्तावेज, महत्वपूर्ण पत्राचार और व्यक्तिगत संदेश गारंटी के साथ गंतव्य तक पहुंचते थे। न्यायालयों से लेकर आम नागरिक तक, इस सेवा ने विश्वास का एक लंबा इतिहास बनाया है। इस सेवा का बंद होना विभाग के आधुनिकीकरण की दिशा में एक कदम जरूर है, लेकिन इसके साथ ही एक पुरानी परंपरा और सस्ती सुविधा भी समाप्त हो रही है। प्रवर डाक अधीक्षक सचिन चौबे ने बताया कि स्पीड पोस्ट सेवा थोड़ी महंगी जरूर होगी, लेकिन इसके कई फायदे भी हैं। पांच रुपये अतिरिक्त भुगतान करके प्रेषण पर्ची तो मिलेगी ही, उपभोक्ता वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) आधारित डिलीवरी की सुविधा प्राप्त कर सकता है। वजन व दूरी के हिसाब से नई दरें भी तय कर दी गई हैं।

बाराबंकी में युवक की सिर कूचकर हत्या, खंती में फेंकी लाश

लखनऊ, (संवाददाता)। बाराबंकी के देवा कोतवाली की माती चौकी क्षेत्र में मंगलवार सुबह सड़क किनारे खंती में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान विजय (30) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से फैजाबाद के रहने वाले थे। माती गांव में किराए पर रहकर टाइल्स का काम करते थे। जानकारी के मुताबिक, विजय की

शादी बड़ाताल गांव की पूजा से हुई थी। उनके दो बेटियां हैं। लक्ष्मी और अनामिका। सोमवार की रात विजय घर से निकला था। पत्नी के अनुसार, यह कहकर निकले थे कि उन्हें किसी से पैसे लेने जाना है। लेकिन वे घर वापस नहीं लौटे। सुबह जब पत्नी पूजा अपने पति की तलाश में सड़क पर निकलीं, तो उन्होंने सड़क किनारे विजय का शव पड़ा देखा। युवक के चेहरे पर गंभीर चोट है। जैसे उसे कुचला गया हो। घटना की जानकारी मिलते ही माती चौकी इंचार्ज अशोक कुमार वर्मा मौके पर पहुंचे। परिजनों को बुलाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। देवा के कोतवाल अजय कुमार त्रिपाठी का कहना है कि मौत के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। मामले की जांच की जा रही है।

नगर निगम में 10 वर्ष पहले भुगतान में घपलेबाजी, विधानसभा समिति ने तलब की रिपोर्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में नगर निगम में वित्तीय वर्ष 2015–16 में कम काम के लिए ज्यादा भुगतान करने के मामले ने एक बार फिर अफसरों और कर्मचारियों की नींद उड़ाई है। दो करोड़ रुपये से ज्यादा की इस अनियमितता में अब शासन ने रिपोर्ट तलब की है। नगर निगम के अफसर 10 वर्ष से इस मामले को लगातार दबाते चले आ रहे हैं। कम काम के लिए अधिक भुगतान देने के 41 मामले हैं। इंजीनियरों और अधिकारियों ने नगर निगम से दो करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान लेने समेत काम में फर्जीवाड़ा करके करोड़ों का गोलमाल किया है। वित्तीय वर्ष 2015–16 की ऑडिट में ऐसे तमाम मामले सामने आए थे, मगर उनको दबा दिया गया था। अब वह फिर बाहर आ गए हैं। बीती 25 सितंबर को हुई विधानसभा की लेखा संपरीक्षा समिति की बैठक में वित्तीय वर्ष

2015–16 की ऑडिट रिपोर्ट में उठाई गईं भुगतान से जुड़ी आपत्तियों पर भी चर्चा हुई। अब शासन ने इस मामले में नगर विकास विभाग रिपोर्ट तलब की है। कुल 41 मामलों में करीब दो करोड़ रुपये से अधिक के नुकसान पर जवाब मांगा है। जानकारों ने बताया कि नगर निगम में 10 साल पहले घपले पर पहले भी जवाब मांगा जा चुका है। हर बार अफसरों ने मामले को दबाने की कोशिश। न कभी घपले को गंभीरता से लिया, न ही ऑडिट की आपत्तियों पर कार्रवाई की। शासन की सख्ती के बाद सबसे अधिक हड़कंप नगर निगम के अभियंत्रण और लेखा विभाग में है, क्योंकि ज्यादातर मामले इन्हीं विभागों से जुड़े हैं। ऑडिट आपत्तियों को लेकर विधानसभा की समिति के सख्त रुख को देखते हुए नगर आयुक्त गौरव कुमार ने संबंधित अधिकारियों को सख्त पत्र लिखा है।

केजीएमयू में वार्डों तक दलालों की घुसपैठ, बेरोकटोक मरीजों तक पहुंचा रहे दवाए

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में निजी मेडिकल स्टोर के दलालों ने वार्ड तक घुसपैठ बना रखी है। बिना रोकटोक ये दलाल वार्ड तक मरीजों को दवाएं पहुंचा रहे हैं, जबकि संस्थान में हॉस्पिटल रिवॉल्विंग फंड (एचआरएफ) के माध्यम से सस्ती दवाएं उपलब्ध हैं। संस्थान के यूरोलॉजी वार्ड में बाहर से दवाएं पहुंचाते हुए ऐसे ही एक दलाल का वीडियो वायरल हुआ है। केजीएमयू में एचआरएफ के माध्यम से 60 से 70 फीसदी तक कम कीमत पर दवाएं उपलब्ध हैं। इसके बावजूद निजी मेडिकल स्टोर के दलाल वार्ड में आकर मरीजों को बेड तक दवाएं पहुंचाते हैं। जानकारी के अभाव में मरीज और तीमारदार इनके जाल में फंस जाते हैं। वायरल वीडियो में यूरोलॉजी विभाग में दलाल वार्ड में घुसकर दवा बेचते दिख रहे हैं। इसमें दलाल गत्ते और पैकेट में दवा लेकर लिफ्ट से वार्ड में दाखिल हो रहा है और जगन, धर्मेंद्र और महेश को दवाएं बेचकर चला गया। बची हुई दवाएं वापस करने के लिए जब तीमारदार एचआरएफ काउंटर पर पहुंचे तो वहां मौजूद कर्मी ने कहा कि ये दवाएं बाहर की हैं। साथ ही एचआरएफ काउंटर से दवाएं न लेने पर आपत्ति भी जताई। केजीएमयू प्रवक्ता प्रो. केके सिंह ने बताया कि केजीएमयू में कहने को तो सैकड़ों सुरक्षाकर्मी हैं, लेकिन इनकी सख्ती सिर्फ मरीज और उनके तीमारदारों तक ही सीमित रहती है। दलालों के सामने उनकी सख्ती गुम हो जाती है। केजीएमयू में एचआरएफ के माध्यम से सस्ती दवाएं उपलब्ध हैं। जानकारी के अभाव में तीमारदार दलालों के जाल में फंसते हैं। संस्थान में मरीज और तीमारदारों की संख्या काफी अधिक रहती है। इस वजह से बाहरी तत्व पकड़ में नहीं आ सके। इस पर और सख्ती की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और पराग उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने सोमवार को विधान भवन के अपने कार्यालय कक्ष में दुग्ध विकास विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और दुग्ध समितियों के सुव्यवस्थित संचालन के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि बंद समितियों को जल्द से जल्द क्रियाशील कराया जाए और संचालित समितियां किसी भी हाल में बंद न होने पाएँ। उन्होंने अधिकारियों को आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए पराग उत्पादों की मार्केटिंग बढ़ाने और दीपावली पर नए उत्पादों को लॉन्च करने का विशेष निर्देश दिया।मंत्री ने कहा कि प्रदेश के महत्वपूर्ण और सार्वजनिक स्थानों पर पराग बूथ स्थापित किए जाएँ और आमजन को दूध, दही, लड्डू, मक्खन, घी आदि सभी प्रकार के उत्पाद उपलब्ध कराए जाएँ। इसके साथ ही, जनता की अपेक्षा के अनुरूप नए उत्पादों को भी तैयार कराए जाने चाहिए। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि पराग के उत्पादों की गुणवत्ता और उपलब्धता हमेशा बनाए रखी जाए और कहीं से भी किसी प्रकार की शिकायत नहीं आनी चाहिए।बैठक में विभागीय आंकड़ों पर चर्चा भी हुई। वर्तमान वित्तीय वर्ष में सितंबर तक 7512 दुग्ध समितियां कार्यरत हैं। जिला योजना के तहत लक्ष्य के अनुरूप 220 समितियों का गठन पूर्ण हो चुका है। 450 समितियों के पुनर्गठन में से 393 समितियों का पुनर्गठन हो चुका है। नन्द बाबा दुग्ध मिशन के तहत 2250 समितियों के लक्ष्य में से 2039 समितियों का गठन पूर्ण हुआ है। इस प्रकार अब तक कुल 2259 समितियों का गठन किया गया है।बैठक में दुग्ध विकास विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम ने मंत्री को आश्वस्त किया कि सभी दिशा–निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को समितियों की संख्या बढ़ाने और निर्धारित अवधि में लक्ष्य पूरा करने के लिए तत्परता से कार्य करने के निर्देश भी दिए।बैठक में पीसीडीएफ के प्रबंध निदेशक वैभव श्रीवास्तव, दुग्ध आयुक्त राकेश कुमार मिश्र, विशेष सचिव राम सहाय यादव, नयन तारा सहित दुग्ध विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गंभीर कुपोषण से जूझ रही नन्हीं सनाया को महिला कल्याण विभाग की सक्रिय पहल से मिली नई जिंदगी

लखनऊ, (संवाददाता)। महिला कल्याण एवं बाल विकास सेवा और पुष्टाहार विभाग की लगातार सक्रिय पहलों का असर गाँव–गाँव में दिखाई देने लगा है। प्रमुख सचिव महिला कल्याण एवं बाल विकास सेवा पुष्टाहार, श्रीमती लीना जौहरी के मार्गदर्शन और सघन निगरानी के तहत विभाग ने जनपद बागपत की ग्राम पंचायत रटोल में गंभीर कुपोषण से जूझ रही नन्हीं बच्ची सनाया को स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर किया।निर्धन परिवार से संबंधित सनाया आंगनवाड़ी केंद्र पर नियमित स्वास्थ्य जांच में मात्र 6.7 किलोग्राम वजन और 67 सेंटीमीटर लंबाई के साथ अत्यधिक कमजोर पाई गई। बच्ची पीलिया से पीड़ित थी और बार–बार बीमार पड़ रही थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और पोषण टीम ने त्वरित हस्तक्षेप करते हुए सनाया को 25 जुलाई को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराया। वहाँ उसे चिकित्सकीय देखभाल, पौष्टिक आहार और आवश्यक दवाइयाँ प्रदान की गईं। साथ ही, बच्ची की मां को स्वच्छता, स्वास्थ्य और पोषण संबंधी व्यवहार परिवर्तन के लिए परामर्श एवं प्रशिक्षण दिया गया।

दिवाली से पहले सभी जिलों में लगेगा स्वदेशी मेला, हस्तशिल्पी

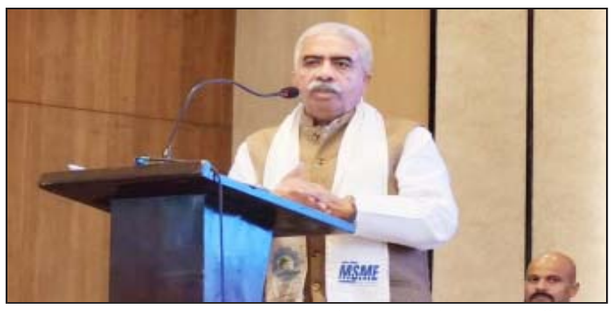

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने हस्तशिल्पियों, उद्यमियों और कारीगरों को बड़ा मंच देने के लिए इस वर्ष दिवाली से पहले पूरे प्रदेश में स्वदेशी मेला आयोजित करने की घोषणा की है। एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने बताया कि इस बार राज्य के सभी जिलों में लगभग 9 से 10 दिन का व्यापार मेला आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के बैनर तले होगा और उसके नीचे स्वदेशी मेला लिखा जाएगा। इस पहल का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए लोकल टू वोकल मंत्र को आत्मसात करना और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना है। एमएसएमई मंत्री ने बताया कि अब तक इस तरह के मेले 18 मंडलों तक सीमित थे, लेकिन इस बार पूरे प्रदेश में विस्तार किया गया है। इन मेलों का शुभारंभ प्रदेश के विभिन्न जनपदों में मंत्री और विधायक करेंगे। प्रदर्शनी में स्थानीय उत्पादों को प्रमुखता दी जाएगी। अगले वर्ष 25 से 29 सितंबर 2026 को यूपीआईटीएस के चौथे चरण का आयोजन और भी वृहद पैमाने पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में तीन यूनिटी मॉल (लखनऊ, वाराणसी और आगरा) की स्थापना केंद्र सरकार के फंडिंग से शुरू हो चुकी है। सचान ने कहा कि राज्य सरकार की योजना है कि सभी 75 जिलों में यूनिटी मॉल स्थापित किए जाएं। ताकि, हर जिले का उत्पाद सीधे बाजार से जुड़ सके।

पशुपालन और गो संरक्षण को मजबूत करने के निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने सोमवार को विधान भवन में पशुधन विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान प्रदेश में पशुपालन और गो संरक्षण के कार्यों को और अधिक मजबूत और सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए। मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि किसानों और पशुपालकों के पशुधन को संक्रामक रोगों और अन्य बीमारियों से बचाने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएँ और पशुओं का शत–प्रतिशत टीकाकरण कार्य सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए वैक्सीन और औषधियों की किसी भी प्रकार की कमी न होने दी जाए, साथ ही उनकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए।मंत्री ने कहा कि प्रदेश में लम्पी स्किन डिजीज पर नियंत्रण पाया जा चुका है, फिर भी सतर्कता जारी रखी जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि वृहद गो संरक्षण केंद्रों और गौशालाओं का नियमित निरीक्षण किया जाए और वहां चारा, भूसा, प्रकाश, पेयजल, औषधियाँ एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जाएँ। इसके अतिरिक्त, हाईवे और मुख्य सड़कों पर विचरण करने वाले गोवंश को रेडियम बेल्ट पहनाने के निर्देश दिए ताकि दुर्घटना से बचाव हो सके।उन्होंने पशुपालन विभाग से कहा कि लघुपशु की बैकयार्ड मुर्गीपालन, भेड़ पालन और बकरी पालन जैसी योजनाओं का प्रचार–प्रसार ग्रामीण अंचलों तक किया जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र लाभार्थी इन योजनाओं से लाभान्वित हो सकें और अपनी आय को बढ़ा सकें। मंत्री ने 31 अक्टूबर तक लाभार्थी चयन का कार्य पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही, पशुओं के नस्ल सुधार और उच्च गुणवत्ता के पशुधन के लिए कृत्रिम गर्भाधान के कार्यों में तेजी लाने और रोग नियंत्रण कार्यक्रमों को सुनियोजित रूप से संचालित करने पर जोर दिया।बैठक में विभागीय आंकड़ों की जानकारी भी दी गई। वर्तमान में प्रदेश में 7608 गो आश्रय स्थलों में 12,36,815 गोवंश संरक्षित हैं। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत अब तक कुल 1,79,024 गोवंश सुपुर्द किए गए, जिससे 1,14,089 लाभार्थी लाभान्वित हुए हैं। प्रदेश में 403 वृहद गो संरक्षण केंद्र भी संचालित हैं।बैठक में पशुधन एवं दुग्ध विकास के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम ने मंत्री को आश्वस्त किया कि सभी निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को गो आश्रय स्थलों का नियमित निरीक्षण, योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और व्यापक प्रचार–प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक में विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे,।

57 अंक के साथ मेरठ बना ओवरऑल चौंपियन

लखनऊ, (संवाददाता)। मेरठ के खिलाड़ियों ने जोरदार पंच जड़ते हुए 57 अंक के साथ 69वीं राज्यस्तरीय माध्यमिक विद्यालयीय बालक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में ओवरऑल चौंपियन बना। केडी सिंह बाबू स्टेडियम के बॉक्सिंग एरीना में आयोजित हुई प्रतियोगिता के अंडर–19 आयुवर्ग में आगरा, अंडर–17 आयुवर्ग में मेरठ और अंडर– 14 आयुवर्ग में सहारनपुर की टीम चौंपियन बनी। समापन पर मंडलीय उप शिक्षा निदेशक रेखा दिवाकर और सह विद्यालय निरीक्षक (आंग्ल) मनीषा द्विवेदी ने विजेता टीमों को पदक और चौंपियनशिप ट्रॉफी प्रदान की। इस मौके पर मंडलीय सचिव माध्यमिक विश्वजीत पांडे, जिला सचिव वेद प्रकाश यादव, प्रशिक्षक मनोज पटेल और अमित श्रीवास्तव मौजूद रहे। तीन दिवसीय प्रतियोगिता के दौरान प्रदेश भर से तकरीबन 375 खिलाड़ियों ने भाग लिया। यूं रहा परिणाम अंडर 14 बालक रू 28 से 30 किग्रारू हेमंत वर्मा (सहारनपुर)– स्वर्ण, करण (मेरठ)– रजत, 30 से 32 किग्रारू राज (मुरादाबाद)– स्वर्ण, यशराज (गोरखपुर)– रजत, 32 से 34 किग्रारू जिगर साहू (झांसी)– स्वर्ण, आदित्य गोपाल मिश्रा (कानपुर) –रजत, 34 से 36 किग्रारू गोपाल (मेरठ)– स्वर्ण, उज्जवल (लखनऊ)– रजत, 36 से 38 किग्रारू लोकेंद्र (मुरादाबाद)– स्वर्ण, उज्जवल (लखनऊ)– रजत, 38 से 40 किग्रारू वीर किशन शर्मा (वाराणसी)–स्वर्ण, धीरज कुमार (सहारनपुर)– रजत, 40 से 42 किग्रारू पुनीत (सहारनपुर)– स्वर्ण, सूरज गिरी (वाराणसी)– रजत। अंडर 17 बालक रू 44 से 46 किग्रारू हर्ष यादव (आगरा)– स्वर्ण, विश्व पाल (सहारनपुर)– रजत पदक, 46 से 48 किग्रारू सागर कुशवाहा (प्रयागराज)– स्वर्ण, आयु सोनकर (मेरठ)– रजत, 48 से 50 किग्रारू पवन कुमार (मेरठ)– स्वर्ण, आर्यन (सहारनपुर)– रजत, 50 से 52 किग्रारू नवनीत सिंह (लखनऊ)– स्वर्ण, देवांश मिश्रा (अयोध्या)– रजत, 52 से 54 किग्रारू प्रशांत मिश्रा (अयोध्या)– स्वर्ण, दक्ष (मेरठ)– रजत, 54 से 57 किग्रारू निवेश पाल (मेरठ)– स्वर्ण। अंडर 19 बालक रू 44 से 46 किग्रारू कुंवर साहब (मेरठ)– स्वर्ण, मोहित कुमार (कानपुर)– रजत, 46 से 49 किग्रारू लक्ष्य सिंह (आगरा)– स्वर्ण, अरविंद कुमार (वाराणसी)–रजत, 49 से 52 किग्रारू दिव्यांश पचौरी (आगरा)–स्वर्ण, आनंद कुमार (देवी पाटन)– रजत, 52 से 56 किग्रारू अमन (सहारनपुर) स्वर्ण, अब्दुल बासिर (देवी पाटन)–रजत, 54 से 60 किग्रारू आदित्य पूनिया (मुरादाबाद)– स्वर्ण, साहिल कुमार (लखनऊ)– रजत, 60 से 64 किग्रारू डैनी चौहान (मेरठ)–स्वर्ण, कृष्ण सिसोदिया (आगरा)– रजत।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने गोमतीनगर स्थित पर्यटन भवन में विभागीय अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं के साथ बैठक कर निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि फील्ड स्तर पर जाकर सभी परियोजनाओं का निरीक्षण किया जाए और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जो कार्यदायी संस्थायें स्वीकृत परियोजनाओं के बावजूद कार्य शुरू नहीं कर पा रही हैं, उन्हें चिन्हित कर सख्त कार्रवाई की जाए।बैठक में मंत्री ने अब तक के स्वीकृत परियोजनाओं की गणना, प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंत्री ने तीर्थ विकास परिषदों के कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्हें आवंटित परियोजनाओं को समय से पूरा करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही दीपोत्सव और देव दीपावली की तैयारियों के संबंध में पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की जानकारी प्राप्त की। इस वर्ष लगभग 26 लाख दीप जलाने और लेजर शो के आयोजन की योजना अंतिम चरण में है और इसमें नया रिकॉर्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है।बैठक में वर्ष 2025–26 के लिए वाद्ययंत्रों के क्रय एवं आपूर्ति की स्थिति और डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मारक, ऐशबाग में शेष कार्यों की समीक्षा भी की गई। बैठक में बताया गया कि यूपीपीसीएल की 270 परियोजनाओं में से 22 परियोजनाओं पर कार्य शुरू हो चुका है, जबकि उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास लिमिटेड की 219 परियोजनाओं में से 35 परियोजनाओं पर कार्य प्रारंभ किया गया है। जनपद सीतापुर के नैमिषारण्य स्थित चक्रतीर्थ के सामने भी कार्य प्रगति पर है।मंत्री जयवीर सिंह ने निर्देश दिए कि सभी कार्यदायी संस्थाओं और क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा इम्पैनल्ड आर्किटेक्ट के साथ स्थलीय निरीक्षण।

राज्य स्तरीय रबी उत्पादकता गोष्ठी–2025 कल आयोजित

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से राज्य स्तरीय रबी उत्पादकता गोष्ठी–2025 कल, मंगलवार दिनांक 30 सितंबर, 2025 को पूर्वाह्न 10 बजे से जुपीटर ऑडीटोरियम, इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ में आयोजित की जाएगी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही, विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार द्वारा की जाएगी।गोष्ठी का प्रमुख उद्देश्य किसानों को आगामी रबी फसल, जिसमें गेहूँ, दलहन और तिलहन शामिल हैं, के लिए एक व्यापक और सुनियोजित रणनीति प्रदान करना है। इस अवसर पर प्रदेशभर से आए हुए।

मिशन शक्ति अभियान के तहत डाभासेमर मे आयोजित हुआ कई कार्यक्रम

अयोध्या।मिशन शक्ति 5.0 तहत मंगलवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम के तहत महिला सशक्तीकरण, राष्ट्रीय पोषण माह, स्वस्थ नारी सशक्त परिवार तथा बेटी बचाओं तथा अपराध मुक्त समाज, भयमुक्त समाज की स्थापना तथा कन्या जन्मोत्सव तथा कन्या पूजन का कार्यक्रम, गर्भवती महिलाओं की गोद भराई, 06 माह के बच्चों का अन्नप्राशन, महिलाओं की स्वास्थ्य जॉच आदि जैसे कार्यक्रमों का आयोजन क्षेत्रीय ग्रामीण विकास संस्थान डाभासेमर में हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, विधायक सदर वेद प्रकाश गुप्ता के द्वारा दीप प्रजज्वलित कर किया गया।विधायक रूदौली, जिलाधिकारी महोदय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अयोध्या, मुख्य विकास अधिकारी महोदय, बेसिक शिक्षा अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य विभाग कार्यक्रम के सफल आयोजन में उपस्थित थें। बाल विकास विभाग एवं महिला कल्याण विभाग द्वारा शारदीय नवरात्रि के महाअष्टमी के शुभअवसर पर यह कार्यक्रम क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान, डाभासेमर मसौधा के सभागार में आयोजित किया गया।कार्यक्रम मे जिला पंचायत अध्यक्षा रोली सिंह,विधायक सदर वेद प्रकाश गुप्ता,विधायक रुदौली राम चन्द्र यादव, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा गौरव ग्रोवर, मुख्य विकास अधिकारी के के सिंह,जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय कुमार त्रिपाठी सहित बाल विकास विभाग,महिला कल्याण, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग तथा पुलिस विभाग ने अपने अपने स्टाल लगाकर अपनी विभागीय योजनाओं कार्यक्रमों सभी को अवगत कराया, स्वास्थ्य विभाग के कैम्प में बड़ी संख्या में स्वास्थ्य जॉच की गई।

जिला चिकित्सालय की इमरजेंसी ओपीडी में परिजनों ने लगाया इलाज मे लापरवाही का आरोप,नाराज परिजनों से काटा हंगामा

अयोध्या।थाना पुराकलंदर के मलिकपर निवासी 71 वर्षीय राम नवल पुत्र हरि प्रकाश की तबीयत बिगड़ने पर उनके परिजन उन्हें लेकर जिला चिकित्सालय इमरजेंसी ओपीडी पहुंचे।जहां पर मौजूद ईएमओ डॉ प्रमोद तिवारी ने उन्हें मृत्यु घोषित कर दिया।जिसके बाद परिजनों ने डाक्टर समेत फार्मासिस्ट और सुरक्षा गार्डों के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट पर उतारु हो गए।जिसके बाद चिकित्सालय प्रशासन ने इसकी सूचना

दिया कि चौकी प्रभारी रिकाबगंज रघुवीर सिंह को सूचना दिया।सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी रिकाबगंज रघुवीर सिंह ने सिपाहियों के साथ पहुंचकर मौके को सम्भाल दोनों पक्षो को शांत कराया।जिसके बाद चिकित्सकों ने शव का पोस्टमार्टम कराने की बात की।जिसके बाद मृतक के परिजन शव को लेकर चले गए और अस्पताल प्रशासन ने इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को भेजते हुए कार्यवाही की मांग किया।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय बालिका विद्यालय की बिल्डिंग जर्जर, छात्राएं भयभीत

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। भारतीय बालिका विद्यालय का आज के टाइम में ये हाल है ,पूरी बिल्डिंग जर्जर अवस्था में है यह बिल्डिंग इस तरह से जर्जर है कि इसमें पढ़ने वाली छात्राएं अब विद्यालय आने से डरती हैं,उनको डर है कि कहीं कुछ छत या कोई भी उसका हिस्सा उनके ऊपर गिर न जाए । कोई भी हानि नुकसान होना सकता है ।क्या शिक्षा डर कर ली जा सकतीं है ,जिसमें हर रोज यही ख्याल रहें कि आज कहीं कुछ अनुचित न हो जाएं । आप सब इस विषय में जरूर सोचिएगा और गौर कीजियेगा । समाज सेविका गीता गुप्ता ने कहा कि आप सबके सहयोग की आशा है ।आइए हम सब मिलकर बालिकाओं के इस विद्यालय का पुनर्निर्माण करवाए इसमें जो हो सकता है सहयोग करें ।

धार्मिक शिव शक्ति संस्था हनुमान मंदिर रूहट्टा 57 वर्षों से कायम है हिन्दू–मुस्लिम एकता की मिसाल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। धार्मिक शिव शक्ति संस्था रूहट्टा स्थित हनुमान मंदिर में विगत 57 वर्षों से मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापना की परंपरा चली आ रही है। खास बात यह है कि इस पंडाल की नींव हिन्दू और मुस्लिम दोनों समुदाय के लोगों ने मिलकर रखी थी और यह परंपरा आज भी कायम है। नवरात्रि के दौरान पूरे पंडाल की व्यवस्था और देखरेख दोनों समुदायों के लोग मिलकर करते हैं। इस वर्ष पंडाल की व्यवस्था की जिम्मेदारी संस्था के अध्यक्ष पवन जायसवाल, उपाध्यक्ष विश्व प्रकाश श्रीवास्तव, महामंत्री नंदेश अग्रहरि, व्यवस्थापक आकाश मौर्य, विक्की श्रीवास्तव, बबलू विश्वकर्मा सहित पूरी टीम संभाल रही है। पूजा–अर्चना और मां दुर्गा के दर्शन के लिए लगातार श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। वहीं पंडाल पर प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और विभिन्न अतिथियों का भी आना–जाना लगा हुआ है। समय–समय पर संस्था द्वारा आगंतुकों का स्वागत एवं सम्मान किया जा रहा है। सम्मान समारोह के क्रम में अध्यक्ष पवन जायसवाल उपाध्यक्ष विश्व प्रकाश श्रीवास्तव और अन्य पदाधिकारी द्वारा खेलकूद युवा कल्याण राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह दुर्गा पूजा महा समिति के अध्यक्ष मनीष देव महासचिव मनीष गुप्ता जनपद के पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दिनेश टंडन, बालाजी ज्वेलर्स के अधिष्ठाता रजनीश गुप्ता, डॉ. अभिषेक मिश्रा, सॉल्वेसन हॉस्पिटल के डॉ. विवेक श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी शहर देवेश कुमार सिंह संरक्षक संजय अग्रहरि, अग्रहरि अमित अग्रहरि और राजा राम एंड संस को सम्मानित किया गया।

खुले नालों को ढकें, तारों को ऊंचा कराएं

गोरखपुर, (संवाददाता)। दुर्गा पूजा प्रतिमा विसर्जन व दशहरा मेला के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा का सोमवार को प्रशासनिक अफसरों ने विरासत गलियारे का निरीक्षण किया। अफसरों ने सड़क के दोनों तरफ बने नालों पर ढक्कन लगाने और बिजली के ढीले तारों को ऊंचा कराने के निर्देश दिए। कमिश्नर अनिल ढींगरा, डीआईजी एस चन्नप्पा, डीएम दीपक मीणा और एसएसपी राजकरण नय्यर ने संयुक्त रूप से थाना राजघाट और थाना कोतवाली क्षेत्र के भीड़–भाड़ एवं संवेदनशील स्थानों पर पैदल गश्त कर हालात का जायजा लिया। अफसर बक्शीपुर से घंटाघर तक (विरासत गलियारा) में पैदल मार्च किया। इस दौरान सड़क की मरम्मत, खुली नालियों–नालों को ढकने, खराब स्ट्रीट लाइटों को सही करने तथा जर्जर तारों को तत्काल ठीक करने का निर्देश दिया।

गोरखपुर और वाराणसी के खिलाड़ियों का रहा दबदबा

गोरखपुर, (संवाददाता)। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित राज्य स्तरीय सीनियर पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता का सोमवार को समापन हो गया। इसमें गोरखपुर और वाराणसी के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। रीजनल स्टेडियम के कुश्ती हॉल में आयोजित फ्री स्टाइल 57 किलो ग्राम में आशुतोष वाराणसी, 61 किलो ग्राम देवांश पाल वाराणसी, 65 किलो ग्राम में दीपक यादव वाराणसी, 70 किलो ग्राम शेरू कुमार यादव वाराणसी, 74 किलो ग्राम नौशाद देवीपाटन, 79 किलो ग्राम विवेक चौहान गोरखपुर, 86 किलो ग्राम अजय यादव, गोरखपुर, 92 किलो ग्राम में करन मेरठ, 97 किलो ग्राम अतुल पाल गोरखपुर और 125 किलो ग्राम में अजीत यादव गोरखपुर विजेता बने। ग्रीको रोमन 55 किलो ग्राम अमरनाथ यादव, आजमगढ़, 60 किलो ग्राम में आकाश गिरी गोरखपुर, 63 किलो ग्राम वीरसेन देवी पाटन, 67 किलो ग्राम सतीष यादव, गोरखपुर, 72 किलो ग्राम विनम्र गोरखपुर, 77 किलो ग्राम में अंकुल दूबे कानपुर, 82 किलो ग्राम में प्रियांशु यादव वाराणसी, 87 किलो ग्राम अखिलेश यादव वाराणसी, 97 किलो ग्राम में शिवम यादव गोरखपुर और 130 किलो ग्राम में आकाश चौधरी आगरा विजेता बने। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि मायाशंकर शुक्ला, जिला पंचायत सदस्यध्सचिव जिला कुश्ती संघ ने पहलवानों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर आजाद सिंह, चंद्र विजय सिंह, रामचंद्र यादव, जय प्रकाश, अमरनाथ यादव, ओंकार यादव, विशाल यादव आदि मौजूद रहे।

स्ट्रॉंग रूट्स स्कूल में डांडिया और दशहरा उत्सव धूमधाम से मनाया गया

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

स्ट्रॉंग रूट्स स्कूल में डांडिया और दशहरा उत्सव बुधवार को बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पूरे स्कूल परिसर में उत्सव का माहौल छाया रहा।बच्चों ने रंग–बिरंगे पारंपरिक परिधानों में आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण "मिशन शक्ति 5.0" पर आधारित एक शानदार एक्ट रहा,जिसमें छात्र–छात्राओं ने महिला सशक्तिकरण का सशक्त संदेश दिया।दशहरा उत्सव में श्रीराम लक्ष्मण सीता की झाँकी और रावण वध की शानदार प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया।लक्ष्मण के भेष धारण किए विवान पाठक नेष्रघुकुल रीत सदा चली आई,प्राण जाए पर वचन न जाईष्की सुंदर चौपाई बोलकर तालिया बटोरी।कार्यक्रम में राम के रूप में आद्विक,लक्ष्मण के रोल में विवान,सीता के रूप में रित्विका,हनुमान के स्वरूप में सौभाग्य और संस्कार की भूमिका को सराहा गया।स्कूल के प्रबंधक अमित श्रीवास्तव ने बताया कि बचपन से ही बच्चों को सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल करने से उनके शैक्षिक,मानसिक विकास को प्रोत्साहन मिलता है।उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए स्कूल में विभिन्न कार्यक्रम होते रहते है।स्कूल की डायरेक्टर निकिता श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बच्चों को अपनी संस्कृति और परंपराओं को समझने व आगे बढ़ाने का अवसर मिलता है।उन्होंने कार्यक्रम की सफलता का श्रेय स्कूल प्रबंधन,शिक्षकों और बच्चों को दिया, जिनके प्रयासों से यह आयोजन अत्यंत सफल और यादगार बन सका।कार्यक्रम के समापन पर राम और लक्ष्मण द्वारा रावण के पुतले को तीर मारकर उसका दहन करने के साथ बुराई पर अच्छाई की जीत,असत्य पर सत्य की जीत का संदेश दिया गया और जैसे ही रावण का पुतला धू धू करके जलने लगा तो सारे बच्चे खुशी में झूमने लगे।कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को आशीर्वाद और शुभकामनाएँ देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

संक्षिप्त खबरें

सीता हरण लीला का किया मंचन

पीलीभीत, (संवाददाता)। शहर के गांधी ग्राउंड में चल रही श्रीराम लीला महोत्सव में सोमवार को सीता हरण का नाटक मंचित किया। इस दौरान रामलीला कमेटी के कलाकारों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। नाटक में रावण की ओर से सीता का हरण और राम–हनुमान की प्रतिक्रिया को जीवंत तरीके से प्रस्तुत किया। स्थल पर भारी संख्या में दर्शक मौजूद थे और उन्होंने कलाकारों के अभिनय और मंच सज्जा की प्रशंसा की। कमेटी अध्यक्ष अरविंद कांत ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं बल्कि यह युवाओं को रामकथा और धर्म के प्रति जागरूक करने में भी मदद करते हैं। श्रीराम लीला महोत्सव में आने वाले दिनों में भी कई कांडों का मंचन किया जाएगा। इस कार्यक्रम ने शहरवासियों में उत्साह और सांस्कृतिक गर्व का माहौल पैदा किया।

भक्तों ने की मां कालरात्रि की आराधना, मंदिरों में हवन–पूजन और गूंजे जयकारे

पीलीभीत, (संवाददाता)। शारदीय नवरात्र के सातवें दिन सोमवार को भक्तों ने माता के कालरात्रि स्वरूप की आराधना की। शहर और ग्रामीण इलाके के माता मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की कतार लगीं। धार्मिक अनुष्ठान, हवन–पूजन हुए। पूरे दिन जयकारे गूंजते रहे। भक्तों को कन्याओं को फल–मिष्ठान और दक्षिणा दी। मंगलवार को माता के आठवें स्वरूप की आराधना की जाएगी। शहर के प्राचीन माता यशवंतरी देवी मंदिर में सुबह पांच बजे ही भक्तों की भीड़ जुटने लगी। श्रद्धालुओं ने फूल, फल, धूप–दीप जलाकर माता की आराधना की। मंदिर परिसर में दुर्गा सप्तशती का पाठ किया। पूजा के दौरान आरती, मंत्र–जप और कीर्तन की धुन मंदिरों में गूंज उठी। कुछ मंदिरों में विशेष प्रवचन और भजन–संध्या का कार्यक्रम भी रखा गया। मंगलवार को अष्टमी है। भक्त माता के आठवें स्वरूप की पूजा–अर्चना करेंगे। साथ ही घरों और मंदिरों पर हवन भी होगा। अधिकांश श्रद्धालु अष्टमी को ही कन्याओं को भोजन भी कराते हैं। राधा माधव संकीर्तन मंडल पीलीभीत की ओर से रेलवे कॉलोनी स्थित परमानंद प्रजापति के निवास पर मां दुर्गा की आराधना की। मंडल के संकीर्तन कार अजय पांडे ने सर्वप्रथम गणेश वंदना के साथ संकीर्तन प्रारंभ किया।

नवंबर में होगी जिला स्तरीय लीग, खिलाड़ियों का होगा चयन

पीलीभीत, (संवाददाता)। हॉकी एसोसिएशन पीलीभीत ने जिले में हॉकी को बढ़ावा देने और प्रतिभा को निखारने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। एक होटल में आयोजित सामान्य बैठक में आगामी आठ और नौ नवंबर को एक जिला स्तरीय लीग का आयोजन किया जाएगा। एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप खींची की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सर्वसम्मति से तय किया कि इस लीग में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में से एक चयन समिति कई आयु वर्ग की टीमों का चयन करेगी जो जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। हॉकी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से जिले में कार्यरत सभी हॉकी टीम और क्लबों का पंजीकरण अब हॉकी एसोसिएशन पीलीभीत के अंतर्गत कराना अनिवार्य होगा। इसके लिए 200 का शुल्क निर्धारित किया गया है।

जेल में बंद दुष्कर्म के आरोपी की मौत, हंगामा

सीतापुर, (संवाददाता)। दुष्कर्म के मामले में जिला कारागार लाए गए 21 वर्षीय आरोपी युवक की रविवार देर रात मौत हो गई। युवक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान तालगांव थाना क्षेत्र के बड़ा तालाब निवासी उमेश के रूप में हुई है, जिसे दो दिन पहले ही जेल में लाया

गया था। जेल अधीक्षक एस.के. सिंह के अनुसार उमेश की हालत पहले दिन से ही खराब थी। उसके मुंह में छाले थे और उसका वजन महज 26 किलो रह गया था। शुरुआती इलाज जेल अस्पताल में किया गया, लेकिन 28 तारीख की रात सांस लेने में तकलीफ के चलते उसे जिला अस्पताल लाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बंदी की मौत की मजिस्ट्रेट स्तर से जांच कराई जाएगी। जेल प्रशासन ने मामले की रिपोर्ट कारागार विभाग के उच्चाधिकारियों को भेज दी है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

प्रेमिका की हत्या का दो साल बाद खुलासा

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

प्रेमी द्वारा पिता और भाई के साथ मिलकर प्रेमिका की हत्या का दो साल बाद पुलिस ने खुलासा किया है। कुएं से महिला का कंकाल मिला है। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में पुलिस ने आरोपी युवक के पिता और भाई को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि आरोपी की तलाश की जा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक नृपेन्द्र ने बताया कि एक अंजान कॉल के साथ शादीशुदा सोनम (30) की मसीदुल नाम के युवक के साथ शुरू हुई दोस्ती धीरे–धीरे प्यार में बदल गई। वह पति का घर छोड़कर मसीदुल के साथ चली गई। कुछ दिन बाद ही दोनों में विवाद हुआ। प्रेमी ने अपने भाई और पिता के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी और शव कुएं में फेंक दिया। दो साल पहले हुए इस हत्याकांड का पुलिस ने मंगलवार को खुलासा किया। प्रेमी के भाई व पिता को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर महिला का कंकाल कुएं से बरामद किया। पुलिस

प्रेमी की तलाश कर रही है। संडीला के सरॉय मारूफपुर निवासी गंगाराम ने छह अगस्त 2023 को संडीला कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया था कि उसकी बहू सोनम बाजार गई थी और वापस नहीं आई। पुलिस ने अज्ञात पर अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की। दो साल के दौरान छह विवेचक बदले लेकिन जांच आगे नहीं बढ़ी। एएसपी पूर्वी नृपेंद्र के मुताबिक सीओ संडीला संतोष सिंह को 12 जून 2025 को इस मामले की जांच के निर्देश दिए गए। सोनम के मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल निकलवाई गई। इससे मिले सुरागों के आधार पर माधौगंज थाना क्षेत्र के जेहदीपुर निवासी मसीदुल के मोबाइल की भी डिटेल निकलवाई गई। अहम सुराग मिलने पर मंगलवार को मसीदुल के भाई समीदुल और पिता अयूब को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में दोनों ने बताया कि एक दिन मसीदुल कहीं फोन कर रहा था। गलती से सोनम का नंबर लग गया। दोनों में बात हुई। फिर दोनों में अक्सर बातें होने लगीं। छह अगस्त 2023 को मसीदुल, सोनम को लेकर दिल्ली चला गया। वहां विवाद होने पर दोनों गांव लौट आए। गांव का माहौल खराब होने की बात कहकर सोनम फिर विवाद करने लगी। आठ अगस्त की रात मसीदुल, समीदुल और अयूब ने मिलकर सोनम की हत्या कर दी और शव गांव के बाहर कुएं में फेंक दिया। अयूब व समीदुल को लेकर पुलिस मौके पर पहुंची। कुएं से सोनम का कंकाल बरामद हुआ। सोनम के कपड़े, सैंडल और हेयर क्लिप मिली। पति शशिचंद्र ने कपड़ों से सोनम की शिनाख्त की। एएसपी ने बताया कि समीदुल और उसके पिता अयूब को गिरफ्तार किया गया है। मसीदुल को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। दो साल में बदले छह विवेचक अपहरण की आशंका जताते हुए गंगाराम ने संडीला कोतवाली में मामला दर्ज कराया था। मामले की विवेचना दो साल में छह विवेचकों ने की लेकिन किसी को कोई खास सुराग नहीं मिला। ज्यादातर विवेचक मानते रहे कि महिला अपनी मर्जी से किसी के साथ गई है और अब तक शादी कर साथ रहने लगी होगी। विवेचना पूरी न होने के कारण पुरानी लंबित विवेचनाओं की सूची में यह मामला टॉप टेन में आ गया तो सीओ संतोष सिंह को विवेचना सौंपी गई। अंततः घटना का खुलासा हो गया। पुलिस ने बताया कि मसीदुल कहीं फोन कर रहा था। गलती से सोनम का नंबर लग गया। रांग नंबर होने की बात सामने आने पर मामला खत्म हो गया। इसके बाद कभी मसीदुल तो कभी समीदुल सोनम को फोन करने लगे। रांग नंबर से शुरू हुई बात में सोनम का दिल दोनों भाइयों से लग गया। इसके बाद सोनम मसीदुल के साथ गई और अब दो साल बाद उसका कंकाल मिला है।

अलग-अलग सड़क हादसों में दो युवकों ने तोड़ा दम, सात घायल

पीलीभीत, (संवाददाता)। पीलीभीत–पूरनपुर हाईवे और शहर के करीब से गुजरे लदपुरा बाइपास पर हुए हादसों में दो युवकों की मौत हो गई। इन हादसों में सात लोग गंभीर घायल हुए हैं। हाईवे पर पूरनपुर नगर के समीप रोडवेज और कार की टक्कर में लखनऊ निवासी युवक की मौत हो गई। युवक उत्तराखंड के टनकपुर स्थित मां पूर्णागिरि धाम जा रहा था। पीलीभीत–पूरनपुर हाईवे पर सोमवार तड़के करीब 4रू15 बजे रोडवेज बस और कार में भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार लखनऊ के थाना काकोरी के गांव महमूदपुर माटीपुर निवासी अभिषेक यादव (22) की मौत हो गई। चार अन्य युवक गंभीर घायल हो गए। इलाज के लिए सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। युवक बीए का छात्र था। वह अपने माता–पिता का इकलौता पुत्र था। हादसा असम (पीलीभीत–पूरनपुर) हाईवे पर गांव हरसिंपुर मोड़ के समीप हुआ। कार में सवार युवक लखनऊ से उत्तराखंड में मां पूर्णागिरि के दर्शन को जा रहे थे। मोड़ के समीप सामने से आई नजीबाबाद डिपो की रूपैडिहा–बहराइच जा रही रोडवेज बस और कार की टक्कर हो गई। हादसे में लखनऊ के महमूदपुर माटीपुर थाना काकोरी निवासी अभिषेक यादव (22), लखनऊ के ही गांव रहीमाबाद निवासी शिवम (24), उसका भाई सचिन (26) इसी गांव के सागर (20), लखनऊ के थाना गोसाईंगंज निवासी अजीत सिंह उर्फ अनु यादव (25) घायल हो गए।घायलों को सीएचसी लाया गया। जहां चिकित्सक ने अभिषेक यादव को मृत घोषित कर दिया। कार अजीत सिंह चला रहे थे। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। चारों घायलों को सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद हाईवे पर जाम लगा गया। सूचना पर टीम के साथ पहुंचे एसएसआई राजीव कुमार ने क्रेन की मदद से दोनों वाहनों को हाईवे से हटवाया। तब जाम समाप्त हुआ। एसएसआई ने बताया कि अभिषेक अपने माता–पिता का इकलौता पुत्र था। वह बीए की पढ़ाई कर रहा था। हादसे की सूचना सुबह करीब पांच बजे पुलिस ने अभिषेक और अन्य घायलों के परिजन को मोबाइल पर दी। सुबह करीब साढ़े नौ बजे सीएचसी पहुंचे अभिषेक के पिता और मां इकलौते पुत्र का शव देखकर बेसुध हो गए। साथ आए लोगों ने उनको बमुश्किल ढांढ़स बधाया। रोडवेज बस में 20 सवारियां थीं। हादसा पर बस में सवार यात्रियों में कोहराम मच गया। गनीमत रही किसी को चोट नहीं आई। सवारियां हाईवे पर कुछ देर इंतजार कर अन्य वाहनों से अपने गंतव्य को रवाना हुईं। हादसे के बाद चालक–परिचालक भाग गए। थाना सुनगढ़ी क्षेत्र में पूरनपुर गेट पुलिस चौकी के समीप रविवार की देर शाम लदपुरा बाइपास के पास दो बाइकों की भिड़ंत में ग्राम बिलगवां निवासी पति की मौत हो गई।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।